वर्ष 6, अंक 53 भोपाल, गुरुवार 4 सितंबर, 2025 भाद्रभद् शुक्ल पक्ष, द्वादशी, 2082 मूल्य 2 रुपए

दैनिक कारखाने का सफर

सेमीकंडक्टर कंपनियों पर फोकस 18 अरब डॉलर से श्रीगणेश

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वैश्विक स्तर की बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से यह गुजारिश की कि वे भारत में अपने संयंत्र लगाने पर विचार करें ताकि देश में सेमीकंडक्टर बनाने का एक संपूर्ण माहौल तैयार किया जा सके। एएसएमएल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, अप्लाइड मटेरियल्स, एएमडी, लैम रिसर्च, एलऐंडटी सेमीकंडक्टर्स और इन्फिनियॉन जैसी कई बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई। इस बैठक में वैश्विक स्तर की और भारतीय सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़ी संस्थाओं के साथ-साथ नीतिगत सेवाएं देने वाले निकाय जैसे कि इंडिया सेमीकंडक्टर ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन भी शामिल थे। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कंपनियों से पूछा कि 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (आईएसएम) के पहले चरण में उनके लिए क्या फायदेमंद रहा और उनका अनुभव कैसा रहा।

इस बैठक में शामिल एक व्यक्ति ने बताया, 'बैठक में करीब 20-25 लोग थे, जिनमें कंपनियों के सीईओ, दूसरे अधिकारी और मंत्रालय के लोग शामिल थे। सभी को अपनी बात रखने, अपने उद्योग की जरूरतें बताने और यह सुझाव देने के लिए 2-3 मिनट का समय दिया गया कि भारत इस काम में कैसे मदद कर सकता है।'बैठक में शामिल एक अन्य व्यक्ति के अनुसार,'इंडिया सेमीकॉन 2025' कार्यक्रम के दूसरे दिन हुई यह बैठक एक घंटे से भी ज्यादा चली। इसमें प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के दूसरे चरण की रूपरेखा और डिजाइन पर भी सुझाव मांगे।

सूत्रों ने बताया कि भारत में सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की मंजूरी देने वाले इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत की अब तक की सेमीकंडक्टर चिप के सफर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश में अब सेमीकंडक्टर बनाने और पैकेजिंग करने वाली 10 इकाइयां लग चुकी हैं, जिनमें कुल 18 अरब डॉलर का निवेश तय हो चुका है। एक व्यक्ति ने कहा, 'इस बैठक का मकसद यह दिखाना था कि भारत में एक ऐसा सेमीकंडक्टर तंत्र है जिसका समर्थन एक स्थिर और भरोसेमंद सरकारी नीतियां कर रही हैं। साथ ही, हमारे पास डिजाइन, पैकेजिंग, स्टार्टअप और इस क्षेत्र में काम करने वाले कुशल लोगों की क्षमता भी है।'

इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री मोदी ने 'सेमीकॉन इंडिया' के चौथे संस्करण में लगी प्रदर्शनियों का जायजा लिया जहां उन्होंने इन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। सेमीकॉन इंडिया 2025, का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को किया था। इस कार्यक्रम में एएसएमएल के सीईओ क्रिस्टोफ फुके, अप्लाइड मटेरियल्स में सेमीकंडक्टर उत्पाद समूह के अध्यक्ष प्रभु राजा और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के रणधीर ठाकुर एवं श्रीनिवास सत्य जैसे शीर्ष अधिकारियों ने भारत और दुनिया की सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर अपने विचार साझा किए। मंगलवार को 'सेमीकॉन इंडिया 2025' का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा था कि भले ही भारत ने सेमीकंडक्टर की अपनी यात्रा देर से शुरू की है, लेकिन अब उसे दस्तावेजी काम से आगे बढ़कर सीधे चिप बनाने का काम शुरू करने से कोई नहीं रोक सकता है। करीब 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाले 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' की घोषणा दिसंबर 2021 में हुई थी और इसके लगभग सारे फंड का इस्तेमाल हो चुका है।

सरकार द्वारा अब तक एक चिप बनाने वाली इकाई, एक कंपाउंड चिप इकाई और आठ आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग इकाई (ओएसएटी) के साथ-साथ असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग, पैकेजिंग (एटीएमपी) इकाई को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है।

समाचार संपादक की कलम से
–राहुल कौशिक

आयकर भुगतान करने वाली जनसंख्या पर वैश्विक तुलना

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

आयकर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह न केवल सरकार के लिए राजस्व का मुख्य स्रोत होता है बल्कि नागरिकों के प्रति उनकी जिम्मेदारियों और योगदान की भावना को भी दर्शाता है। हाल ही में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि अलग-अलग देशों में कितनी प्रतिशत जनसंख्या आयकर चुकाती है। इस संदर्भ में भारत और विकसित देशों के बीच बहुत बड़ा अंतर दिखाई देता है।

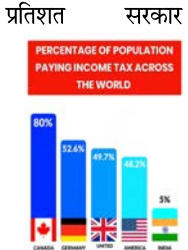

विकसित देशों की स्थिति : कनाडा में लगभग 80% जनसंख्या आयकर चुकाती है। इसका अर्थ है कि वहां अधिकांश नागरिकों की आय टैक्स योग्य सीमा से ऊपर है और लोग कर दायित्व को निभाने में सक्रिय हैं। जर्मनी (52.6%), यूनाइटेड किंगडम (49.7%) और अमेरिका (48.2%) जैसे देशों में भी लगभग आधी से अधिक आबादी नियमित रूप से आयकर अदा करती है। इसका सीधा प्रभाव इन देशों की मजबूत अर्थव्यवस्था, उच्च राजस्व संग्रहण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर पड़ता है।

भारत की तस्वीर : इसके विपरीत भारत में मात्र 5% जनसंख्या ही आयकर चुकाती है। जबकि भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक है, फिर भी टैक्सपेयर की संख्या बेहद कम है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं – बड़ी संख्या में लोग अब भी गरीबी रेखा या उसके आसपास जीवन यापन करते हैं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले अधिकांश लोगों की आय टैक्स योग्य सीमा तक नहीं पहुंचती।

टैक्स चोरी और नकद लेनदेन की प्रवृत्ति भी टैक्स बेस को सीमित करती है।

कृषि आय पर आयकर न लगना भी इस अंतर का बड़ा कारण है।

असर और चुनौतियाँ : कम आयकरदाता होने का मतलब है कि सरकार के पास विकास कार्यों, स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसंरचना पर खर्च करने के लिए सीमित संसाधन उपलब्ध होते हैं। परिणामस्वरूप सरकार को अप्रत्यक्ष करों (जैसे GST, एक्साइज आदि) पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ता है, जिससे महंगाई आम नागरिक को अधिक प्रभावित करती है।

आगे का रास्ता : भारत को टैक्स बेस बढ़ाने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे –

1. टैक्स प्रणाली को और अधिक सरल और पारदर्शी बनाना।
2. डिजिटल भुगतान और कैशलेस लेन-देन को बढ़ावा देना।
3. टैक्स चोरी रोकने के लिए कड़े कदम उठाना।
4. मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों के लिए कर संरचना को आसान करना।
5.नागरिकों में जागरूकता पैदा करना कि टैक्स चुकाना राष्ट्र निर्माण में उनकी जिम्मेदारी है।

निष्कर्ष :

भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए यह आवश्यक है कि आयकरदाताओं की संख्या बढ़े। जब ज्यादा नागरिक टैक्स देंगे तो सरकार के पास अधिक संसाधन होंगे और देश में विकास की रफ्तार और भी तेज़ होगी। इस दिशा में सरकार और समाज दोनों को मिलकर काम करना होगा ताकि आने वाले समय में भारत भी विकसित देशों की तरह आयकर भुगतान में आगे बढ़ सके।

बिहार चुनाव में महिला वोटर होंगी असली 'गेमचेंजर'

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी पटना

भारत में चुनाव सिर्फ़ राजनीतिक रैलियों, घोषणापत्रों और सोशल मीडिया पर चर्चाओं में ही नहीं जीते या हारे जाते। घरों, रसोई और दफ़्तरों में, एक खामोश मतदाता वर्ग मतदान के दिन से पहले अपनी पसंद और प्राथमिकताओं पर चर्चा करता है। यह वर्ग कोई और नहीं, बल्कि महिला वर्ग है। इस साल बिहार में चुनाव होने है। ऐसे में महिला मतदाता वहां हमेशा की तरह इस बार भी अहम भूमिका निभाने वाली हैं। चुनाव दर चुनाव, महिला मतदाता राजनीतिक दिग्गजों की जीत और हार में एक अहम कारक बनकर उभरी हैं।

और यह बात बिहार में सबसे ज़्यादा सच है, जहाँ मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शराबबंदी के कदम ने उन्हें महिला मतदाताओं का समर्थन दिलाया और सत्ता में उनकी लंबी दौड़ सुनिश्चित की।

वर्तमान में देखें तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनावी प्रचार से ज्यादा अपनी योजनाओं को जमीन पर उतारने में व्यस्त नजर आ रहे हैं। विपक्ष जहां बयानबाजी और प्रचार में लगा है, वहीं नीतीश कुमार "काम बोलता है" के सिद्धांत पर चलते हुए लगातार महिलाओं को केंद्र में रखकर नई सौगातें दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीएम ने पहले ही अपनी रणनीति तय कर ली थी। यही वजह है कि अब वो उन योजनाओं को लागू कर रहे हैं, जिन्हें उन्होंने महिला संवाद यात्रा के दौरान महसूस किया था। माना जा रहा है कि आने वाले चुनाव में महिला मतदाता ही असली गेमचेंजर साबित होंगी।

बीते दो महीनों के दौरान सीएम नतीश कुमार ने ऐसी 7 बड़ी घोषणाएं की हैं, जो महिलाओं को सीधे लाभ पहुंचाने वाली हैं। इन योजनाओं के जरिए नीतीश कुमार ने रोजगार, आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सहित महिलाओं के हर पहलू को छूने की कोशिश की है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह रणनीति बेहद सोच-समझकर बनाई गई है। जिसमें सीधे तौर पर महिला वोट बैंक को साधने की कोशिश माना जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी साल में ग्रामीण महिलाओं को साधने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस कदम के तहत 1.40 लाख जीविका कर्मियों का मानदेय दोगुना कर दिया है। इसके अलावा बैंक ऋण पर ब्याज दर 10 फीसद से घटाकर 7 फीसद कर दिया है। जो महिलाओं के बड़े समूह को लाभांवित करने वाला है। इस फैसले को ग्रामीण महिलाओं के लिए सीएम नीतीश कुमार का चुनावी मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

राज्य सरकार की ओर से 8,053 ग्राम पंचायतों में विवाह मंडप के निर्माण के लिए 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। इन मंडपों के संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी ग्रामीण महिलाओं को ही सौंपी जाएगी। जिससे उन्हें आर्थिक लाभ तो होगा ही महिलाओं में नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और सामाजिक जरूरतों में उनकी भागीदारी भी मजबूत होगी। रणनीतिकारों की माने तो ये महिला सशक्तिकरण का अहम कदम माना जा रहा है। साथ ही चुनाव के लिहाज से भी अहम है।

बताते चलें कि आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 1,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किया गया। ममता कार्यकर्ताओं का मानदेय 300 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये कर दिया गया। आशा फैसिलिटेटर के मानदेय में भी बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के जरिए सीधे तौर पर 1 लाख 20 महिलाओं को लाभांवित किया गया। बताते चलें वर्तमान में बिहार में 91,094 आशा कार्यकर्ता, 4,364 आशा फैसिलिटेटर और 4,600 ममता कार्यकर्ता कार्यरत हैं। इसके अलावा, 29,000 नई आशा कार्यकर्ताओं की बहाली प्रक्रिया में है। इन सभी को मिलाकर राज्य का यह नेटवर्क करीब 1.20 लाख महिलाओं का होता है।

सरकार की ओर से आंगनबाड़ी सेविकाओं को मोबाइल खरीदने के लिए 11,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। यह कदम डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ाने और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। जानकारों की मानें तो महिला संवाद के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने इस जरूरत को महसूस की। जो अब अहम दांव साबित हो रहा है।

GST: 12-28% स्लैब खत्म, अब सिर्फ 5 और 18%

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

निर्मला सीतारमण ने कहा कि आम आदमी और मध्यम वर्ग की वस्तुओं पर जीएसटी पूरी तरह से कम कर दिया गया है। जिन वस्तुओं पर जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया है, वे हैं हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप, साबुन की टिकिया, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर और अन्य घरेलू सामान। जिन वस्तुओं पर जीएसटी 5% से घटाकर शून्य कर दिया गया है, वे हैं अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, छेना और पनीर। सभी भारतीय रोटियों पर जीएसटी शून्य होगा। यानी रोटी हो या पराठा, सब पर शून्य। जीएसटी 12% से घटाकर 18% या 5% कर दिया गया है - खाद्य पदार्थ - नमकीन, बुज्जिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी, ये सभी 5% के दायरे में हैं।

28% से घटाकर 18% - एयर कंडीशनिंग मशीनें, 32 इंच से बड़े टीवी, सभी टीवी अब 18%, डिशवाशिंग मशीनें, छोटी कारें, 350 सीसी या उससे कम क्षमता वाली मोटरसाइकिलें, सभी पर अब 18% कर लगेगा।

बीएचईएल में प्रदीप कुमार उपाध्याय, महाप्रबंधक एवं प्रमुख ने पोलावरम हाइड्रो पावर प्लांट परियोजना यूनिट-1 के लिए विनिर्मित बाटम शाफ्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल में प्रदीप कुमार उपाध्याय, महाप्रबंधक एवं प्रमुख ने पोलावरम हाइड्रो पावर प्लांट परियोजना यूनिट-1 के लिए विनिर्मित बाटम शाफ्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विकास खरे, महाप्रबंधक (ईएम) ; रुपेश तेलंग, महाप्रबंधक (फीडर एवं ट्रांसफर्मर) ; जी पी बघेल, महाप्रबंधक (गुणता) ; आलोक सेंगर, महाप्रबंधक (फेब्रिकेशन) ; जे चटर्जी, महाप्रबंधक (हाइड्रो) ; नरेश सिंह, अपर महाप्रबंधक (ईएम) ; जगरनाथ उरांव ; श्री विशाल शर्मा ; राजेश सिंह यादव एवं एचजीएम विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि यह बाटम शाफ्ट अभी तक का अधिकतम वजन वाला हाइड्रो जनरेटर शाफ्ट है, जिसका वजन लगभग 62 मीट्रिक टन है। इस शाफ्ट की मशीनिंग का समस्त कार्य ब्लॉक-2 एचजीएम विभाग के मशीन शाप में किया गया है। यह पोलावरम हाइड्रो पावर प्लांट परियोजना आन्ध्र प्रदेश के एलुरु जिले में गोदावरी नदी पर निर्माणधीन 960 मेगावाट जल विद्युत परियोजना है। प्रासंगिक है कि बीएचईएल इस परियोजना के लिए अब तक का सबसे बड़े आकार का हाइड्रो जनरेटर का विनिर्माण कर रहा है।

बीएचईल भोपाल में "प्रश्नोत्तरी" प्रतियोगिता आयोजित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईल, भोपाल में हिन्दी मास, 2025 के अंतर्गत "प्रश्नोत्तरी" प्रतियोगिता आयोजित की गई जो सामान्य ज्ञान, इतिहास, भूगोल आदि विषयों पर आधारित थी। प्रतियोगिता का शुभारंभ रूपेश तैलंग, महाप्रबंधक (टीसीबी, मैन्यूफैक्चरिंग, कमर्शियल एवं मेंटनेंस) ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप से ए.के.गुप्ता, अपर महाप्रबंधक (एसटीएम) एवं आरिफ अहमद सिद्दीकी, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) मौजूद थे। प्रतियोगिता में 106 प्रतिभागियों का चयन कर लकी ड्रा के द्वारा 6 मुख्य समूह एवं 8 चैलेंजर समूहों के मध्य मुख्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। अपने संबोधन में तैलंग ने कहा कि प्रश्नोत्तरी के प्रति कर्मचारियों का रूझान, उनका उत्साह देखते ही बनता है। विजेता होना बड़ी बात नहीं है प्रतिभागिता करना बड़ी बात है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। गुप्ता ने अपने उदबोधन में कहा कि हिन्दी के प्रति कर्मचारियों में लगन और उत्साह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता केबीसी की तरह है। आप सभी लोग इस प्रतियोगिता से अपना अधिक से अधिक ज्ञान बढ़ाएं। अंत में सिद्दीकी ने कहा कि हम सभी की जिंदगी सवालों से घिरी है जिनसे हम अमूमन बचने की कोशिश करते हैं लेकिन यह एक ऐसी जगह हैं जहाँ हम सभी को सवालों की प्रतीक्षा रहती है। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में अजय आर्य, अपर महाप्रबंधक (एचएमई) ; शैलेन्द्र कुमार पांडे, वरिष्ठ प्रबंधक (एचएमई) ; एवं कुदंन माहेश्वरी, वरिष्ठ प्रबंधक (एचएमई) उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन एवं आभार पूनम साहू, प्रबंधक (राजभाषा) ने किया।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

बड़ा तालाब फुल, भदभदा के गेट खुलेंगे

बारिश से कान्ह उफनी, कई लोगों का रेस्क्यू, यशवंत सागर के गेट खुले

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कैचमेंट में 1 इंच बारिश होते ही भदभदा के गेट खोल दिए जाएंगे। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की वजह से मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इंदौर में बुधवार रात से हो रही बारिश गुरुवार को भी जारी है। यशवंत सागर डैम के 2 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। कृष्णपुरा पुल के पास कान्ह नदी का जलस्तर बढ़ने से दो लोग फंस गए थे। जिन्हें नगर निगम और पुलिस की टीम ने रेस्क्यू किया। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में तवा डैम के तीन गेट 5-5 फीट की ऊंचाई तक खुले हैं। इनसे करीब 25000 क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। डैम के गेट पिछले 15 दिन से खुले हैं। उज्जैन में क्षिप्रा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे के मंदिर डूब गए है। उनके गुंबद तक पानी आ गया है। प्रशासन ने लोगों को घाटों से दूर रहने की चेतावनी दी है। भोपाल में गुरुवार सुबह कहीं धीमी, कहीं तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने गुरुवार को 26 जिलों में अति भारी या भारी बारिश की चेतावनी दी है। अगले 24 घंटे के दौरान झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, देवास और सीहोर में अति भारी बारिश होने का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 8 इंच तक पानी गिर सकता है।

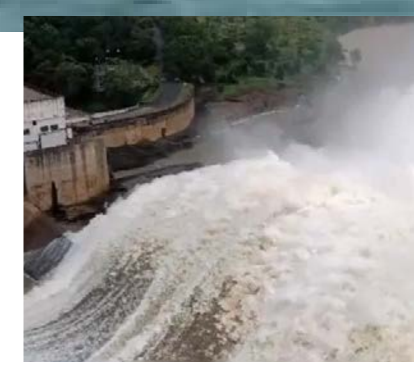

कागजों में चलता मिला बिजनेस, 20 करोड़ की टैक्स चोरी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जीएसटी एमपी और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की संयुक्त कार्यवाही में मध्य प्रदेश की 15 फर्मों में 10 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी का खुलासा हुआ है। मामले में टैक्स चोरों के तार यूपी के फरीदाबाद समेत अन्य शहरों से भी सामने आए हैं जिसके बाद टैक्स चोरी का आंकड़ा 20 करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। यह कार्रवाई सिंगरौली, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, छतरपुर जिलों में चल रही है। भोपाल में कोटरा सुल्तानाबाद में जीएसटी सलाहकार आरके पांडेय के आफिस पर कार्रवाई की जा रही है। वस्तु एवं सेवा कर विभाग एवं आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीमों द्वारा मंगलवार को सिंगरौली जिले में व्यापक जांच 9 ठिकानों पर की गई। 8 फर्में एवं टैक्स कर सलाहकार का कार्यालय शामिल है। जीएसटी टीम द्वारा छतरपुर जिले में एक, इंदौर में 2, ग्वालियर में एक एवं भोपाल में 3 स्थानों पर भी जांच की जा रही है जिसमें भोपाल में आरके पांडेय टैक्स सलाहकार का दफ्तर शामिल है।

जांच दल के अनुसार सिंगरौली, छतरपुर, ग्वालियर, इंदौर में कागजों में कारोबार होना पाया गया। वास्तव में यहां कोई बिजनेस संचालित नहीं होता मिला है। सिंगरौली स्थित 2 फर्मों एवं छतरपुर स्थित एक फर्म में कोई वास्तविक व्यवसायिक गतिविधि नहीं पाई गई। ग्वालियर एवं इंदौर की एक फर्म में न तो व्यावसायिक गतिविधि मिली और न ही इनके कोई व्यवसायी मिले। इन फर्मों ने केवल कागजों पर व्यवसाय का प्रदर्शन कर फर्जी लेन-देन दर्शाए हैं। इसके साथ ही शेष फर्मों द्वारा अधिकतर आईटीसी बिना माल या सेवाओं की वास्तविक प्राप्ति के लिया गया है जो कि नियम विरुद्ध इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) है जिससे राजस्व को भारी हानि पहुंचाई गई है।

जीएसटी अफसरों के अनुसार इश कार्यवाही के तार मुख्य रूप से कर सलाहकार अनिल कुमार शाह से जुड़ रहे हैं जिसके द्वारा अनेक फर्मों से बोगस आईटीसी लेकर स्थानीय फर्मों को उपलब्ध कराई गई है एवं इसके मोटा कमीशन हासिल किया गया है ।

इस प्रकार 15 फर्मों में अब तक की जांच में लगभग 10 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का पता चला है। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों के भी व्यवसायी इस चेन में सम्मिलित हैं, यदि उनका अपवंचन शामिल कर लिया जाय तो यह राशि 20 करोड़ के लगभग होगी। जांच दल द्वारा जब्त किए गए दस्तावेजों एवं डिजिटल डाटा का परीक्षण किया जा रहा है।

सीएम डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में, 50 इलेक्ट्रिक एसी बसों का शुभारंभ ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर से करेंगे

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

स्वच्छता में लगातार देश का मान बढ़ाने वाले इंदौर शहर के सफाई मित्रों के सम्मान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शहर में रहेंगे। इंदौर में स्वच्छता से ही सेवा अभियान के अंतर्गत ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजन आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सफाई मित्रों का सम्मान करेंगे तथा उनके साथ स्नेह भोज भी करेंगे। इंदौर की स्वच्छता की रीढ़ माने जाने वाले इन कर्मवीरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण कदम है। सीएम यादव इसी कार्यक्रम में 60 करोड़ की लागत से 50 इलेक्ट्रिक एसी बसों का शुभारंभ भी करेंगे।

यह पर्यावरण हितैषी बसें शहर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा देंगी तथा आम नागरिकों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराएंगी। इसके साथ ही सीएम 7 करोड़ की लागत से रणजीत हनुमान मंदिर पुनर्विकास कार्य का भूमिपूजन भी करेंगे। यह कार्य मंदिर क्षेत्र के सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक अहम कदम है। 50 इलेक्ट्रिक AC बस सिंगल चार्ज एवं अपॉर्चुनिटी चार्ज के साथ 180 किलोमीटर प्रतिदिन चलेगी। एक इलेक्ट्रिक बस की कीमत राशि रुपए 1.2 करोड़ है। बसों की कुल लागत 60 करोड़ रु है। यह बस नेट कास्ट मॉडल पर संचालित की जाएगी जिसमें सरकार द्वारा 40 प्रतिशत AMRUT के अंतर्गत वीजीएफ दिया जाएगा एवं ऑपरेशन कॉस्ट शून्य रहेगी जिससे सरकार को वित्तीय रूप से लाभ पहुंचेगा।

भोलेनाथ के समक्ष विराजे गौतम नगर के चा राजा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

गौतम नगर बाल उत्सव समिति गोविंदपुरा के संरक्षक रिंकू भटेजा ने बताया कि गौतम नगर के चा राजा भोलेनाथ के शिवलिंग के समक्ष विराजे हैं यह समिति का सफलतम छठवां वर्ष है । पर्यावरण की रक्षा हेतु इस वर्ष भी पिछले वर्षों की भांति मिट्टी से निर्मित गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गई है। जिनको भक्तों द्वारा सराहा गया है।

मछली' की कोठी तोड़ी लेकिन कमाई वैसी की वैसी, तालाबों पर मछली परिवार का ही कब्जा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ड्रग्स, हथियारों की तस्करी, अपहरण-रेप जैसे आरोपों का सामना कर रहे भोपाल के मछली परिवार की आलीशान कोठी से लेकर फॉर्म हाउस तक प्रशासन ने ढहा दिए। दावा है कि 100 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई है, लेकिन प्रशासन ने उसकी कमाई का जरिया बंद नहीं किया है। हथाईखेड़ा बांध का मछली पकड़ने का ठेका अभी तक निरस्त नहीं हुआ है। ये ठेका इस्लाम नगर समिति के पास है। समिति के सारे सदस्य फर्जी हैं, प्रशासन की जांच में ये खुलासा हो चुका है। ये भी पता चला कि समिति का सारा काम मछली परिवार का करीबी जलील मोहम्मद खान उर्फ नीलू मियां करता है। नीलू ने मछली पालन का ठेका लेने के लिए ईटखेड़ी मत्स्योद्योग सहकारी समिति नाम से एक और समिति बनाई है।

जलील मोहम्मद खान उर्फ नीलू मियां ने बांध और तालाब के ठेके हासिल करने के लिए जो ईटखेड़ी मत्स्योद्योग सहकारी समिति बनाई है, उसमें गांव के लोगों के साथ अपना, पत्नी और बेटे का नाम भी मछुआरों में शामिल कर लिया है। इस समिति में 54वें नंबर पर जलील मोहम्मद पिता स्व. आदिल मोहम्मद के रूप में खुद नीलू मियां का नाम शामिल है। वहीं, शुरुआत में 10वें नंबर पर खदीदा पत्नी जलील मोहम्मद का नाम शामिल है, जो उनकी पत्नी है। इसी समिति की सूची में आखिर में 62वें नंबर पर तैयब अली पिता जलील मोहम्मद, ईटखेड़ी का नाम है। तैय्यब नीलू मियां का बेटा है, जो परिवार की बड़ी खेतीबाड़ी और बिजनेस संभालने के साथ ईटखेड़ी में फॉर्म हाउस कम वाटर पार्क का संचालन करता है।

हथाईखेड़ा बांध की ठेका समिति में ईटखेड़ी के खामखेड़ा गांव निवासी मोतीलाल पुत्र रघुनाथ का नाम भी शामिल है। मोतीलाल को तलाशते हुए जब हम खामखेड़ा पहुंचे तो लोगों ने बताया कि गांव के किनारे पर उसका घर है। कच्चा घर पॉलीथिन की शीट से ढका है। घर पर रघुनाथ की पत्नी और बेटी मिली। उन्होंने बताया कि रघुनाथ किसी समिति में सदस्य है, इसका उन्हें पता नहीं। वो तो नीलू मियां की कोठी पर काम करते हैं। वह कोठी पर ही रहते हैं। पत्नी ने बताया- हम दोनों तो मजदूरी करते हैं। ईटखेड़ी की अकबरी बाई का नाम भी समिति में है, लेकिन इनका परिवार भी कभी मछली पालन से नहीं जुड़ा रहा। गांव के लोगों से पता चला कि अकबरी बाई के पति गफूर की मौत हो चुकी है। उनका बेटा चौकीदारी करता है। गांव के लोग कहते हैं कि इस परिवार में कभी किसी ने मछली पकड़ने का काम नहीं किया। ऐसे में उनका नाम समिति में कैसे जुड़ा, यह जांच का विषय है। ईटखेड़ी गांव में ही रहते हैं बुद्धा शाह। इनका नाम भी ईटखेड़ी मत्स्य पालन समिति में शामिल है। 70 साल की उम्र पार कर चुके शाह ने बताया कि मुझे नीलू मियां ने समिति में शामिल किया है। मेरे अलावा मेरी पत्नी और बेटे का भी नाम है लेकिन हमें कभी इसका फायदा नहीं मिला।

इतना ही नहीं, समिति में उन्होंने मेरे और पत्नी के अलावा मेरे नाम के आगे दो बेटों शफीक और इब्राहिम के नाम शामिल किए हैं, जबकि मेरा एक ही बेटा शफीक है। ईटखेड़ी के सरपंच हरिसिंह सैनी से जब इस मामले में बात की गई तो उन्होंने खुलासा करते हुए कहा- ईटखेड़ी मत्स्य पालन समिति में शामिल सभी लोग गांव के हैं, लेकिन इन परिवारों ने कभी मछली पकड़ने का काम ही नहीं किया। सैनी ने कहा कि समिति बनाने वाले जलील मोहम्मद खान उर्फ नीलू मियां हमारे गांव के किसान हैं, लेकिन उनका भी मछली पकड़ने का काम पुश्तैनी नहीं है। हमारे यहां मछली पकड़ने वाले परिवार ही नहीं हैं।

गायत्री परिवार तैयार करेगा, संकल्पित चरित्रवान संस्कार युक्त युवा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

प्रशिक्षण में बहाया हुआ पसीना रणभूमि में रक्त बचाता है। यह उद्गार शांतिकुंज हरिद्वार के युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यालय से पधारे आशीष सिंह ने प्रदेश के सभी जिलों से आए गायत्री परिजनों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। आगामी 27 से 29 अक्टूबर 2025 को शारदा विहार आवासीय विद्यालय केरवा डेम रोड भोपाल में होने वाले प्रांतीय युवा चिंतन शिविर की पूर्व तैयारियों के निमित्त हो रही प्रांतीय संगोष्ठी को मार्गदर्शन देते हुए आशीष सिंह ने कहा कि आगामी समय के लिए प्रांतीय युवा चिंतन शिविर मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि शिविर की सफलता प्रतिभागियों के आयोजक वाले दृष्टिकोण और आयोजक के प्रतिभागी के रूप में की गई सोच के साथ वाली तैयारियों पर निर्भर करती है। उन्होंने अपने डेढ़ दशक के राष्ट्रव्यापी अनुभवों को उपस्थित परिजनों के साथ साझा किया।

प्रांतीय युवा चिन्तन शिविर के दायित्व निर्धारण हेतु आयोजित की गई प्रांतीय संगोष्ठी में अतिथियों के रूप में शांतिकुंज हरिद्वार से मध्यप्रदेश जोन प्रभारी जगदीश चंद्र कुल्मी एवं युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी आशीष सिंह, प्रदेश समन्वयक राजेश पटेल, प्रदेश युवा प्रभारी विवेक चौधरी, राकेश गुप्ता जी उपस्थित थे। अतिथियों ने देवपूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ प्रांतीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। अतिथियों का स्वागत मंगल तिलक लगाकर किया गया। भोपाल उपझोन प्रभारीआरपी हजारी ने सत्संकल्प पाठ का वाचन किया। प्रांतीय समन्वयक राजेश पटेल ने प्रदेश में गायत्री परिवार की गतिविधियों पर प्रकाश डालते कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने अपने दायित्व का वहन करें तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं होता है। सब परिजन मिलजुलकर गुरु अनुशासन में युवा शिविर को सफल बनाएंगे। युवा प्रकोष्ठ के प्रांतीय प्रभारी विवेक चौधरी ने गायत्री परिजनों को आह्वान करते हुए कहा कि विचारों में क्रांति का बीजारोपण युवावस्था में ही होता है। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, आदि शंकराचार्य, महात्मा गाँधी इत्यादि के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि इन सभी महापुरुषों के जीवन में परिवर्तन युवावस्था में हुआ। हमें भी हमारे युवा को नवसृजन के लिए सहेजना संभालना पड़ेगा। चौधरी ने कहा कि इस शिविर में उन्हीं युवाओं को भाग लेने की अनुमति होगी जिन्हें युवा प्रकोष्ठ मध्य प्रदेश ने पूर्व में उपजोन,एवं जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया है

शांतिकुंज से पधारे मध्यप्रदेश झोन प्रभारी जगदीश चंद्र कुल्मी ने उपस्थित परिजनों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि गायत्री परिवार भावना प्रधान संगठन है। यहाँ दुर्भावना रहित और सदभावना सहित जीवन जीने को प्रेरित करता है। उन्होंने 3000 प्रतिभागियों के आवास भोजन आदि व्यवस्थाओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया । मीडिया प्रभारी रमेश नागर ने शिविर की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रांतीय युवा चिंतन शिविर में युवाओं के आईकान आदरणीय डॉ.चिन्मय पंड्या प्रति कुलपति देव संस्कृति विद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार कि इस शिविर में गरिमामय उपस्थित रहेगी। 18 से 45 वर्ष के मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले से 40 चयनित 3000 युवा युवती के साथ 500 सक्रिय वरिष्ठ पदाधिकारी प्रभारी सम्मिल होंगे। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय सहसमन्वयक प्रभाकांत तिवारी ने किया एवं शांतिपाठ के साथ आभार व्यक्त किया।

करियर कालेज में युवाओं ने बिखेरी लोक संगीत की महक

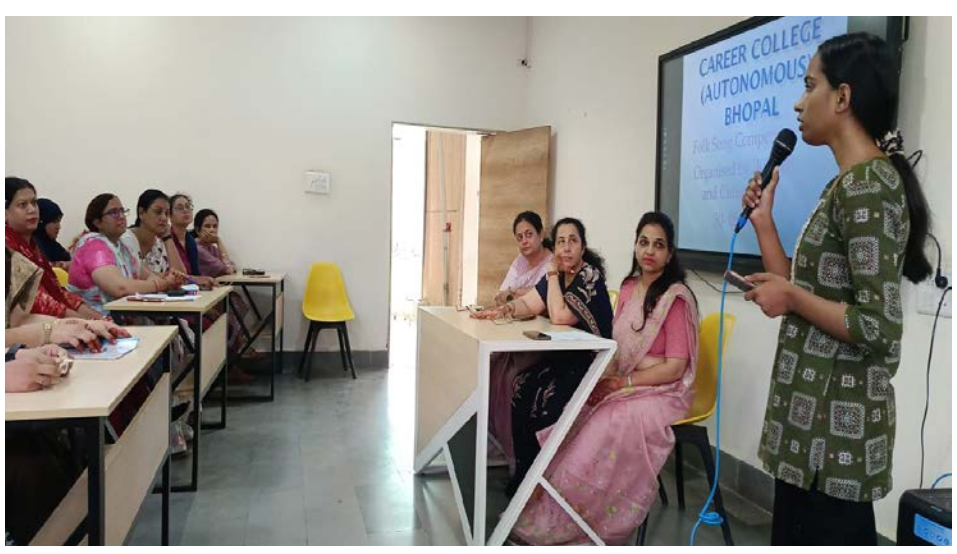

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

करियर कॉलेज के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं सांस्कृतिक सेल द्वारा युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने हेतु एकल एवं समूह लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने विभिन्न अंचलों के लोकगीतों को मधुर आवाज में प्रस्तुत कर सबका मन मोहा प्राचार्य डॉक्टर चरणजीत कौर ने इस अवसर पर सभी युवाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि हमें अपनी संस्कृति से जुड़े रहना चाहिए और संस्कृति को आत्मा आत्मसात करते हुए अपनी शिक्षा ग्रहण करना चाहिए निर्णायक मंडल में डॉ नीतू शर्मा डॉ निधि त्रिपाठी डॉक्टर सारिका सक्सेना के निर्णय अनुसार प्रथम पुरस्कार अंकिता राजपूत द्वितीय पुरस्कार नेहा पटेल तृतीय पुरस्कार वेदांत श्रीवास्तव एवं सांत्वना पुरस्कार जानवी को प्रदान किया गया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन की साधारण सभा और अभिनंदन समारोह संपन्न

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बैंक ऑफ़ बड़ौदा रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन भोपाल अंचल की साधारण सभा एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन बैंक के पूर्व महाप्रबंधक तथा एसोसिएशन के राष्ट्रीय सहायक महासचिव डॉक्टर जवाहर कर्णावट की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर अंचल के महाप्रबंधक श्री दिवाकर सिंह रहे। प्रारंभ में संगठन के अध्यक्ष श्री गिरीश आचार्य ने अतिथियों का स्वागत किया। महासचिव श्री सत्यनारायण पालीवाल ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ प्रदेश की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले तीन वरिष्ठ सदस्य श्री एच. एस. कानेटकर, श्री वीरेंद्र कुमार सिंह तथा श्री जी. नरैया का अभिनंदन किया गया ।समारोह को पदाधिकारी श्री आर.के. मंडल, श्री ए. पी. सिंह तथा श्री के. सी.माहेश्वरी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री एस. एंटोनी सामी ने किया।

मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा का स्थापना दिवस 5 सितंबर को

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा का स्थापना दिवस 5 सितंबर को प्रदेश कार्यालय 12 नंबर स्टाफ नगर निगम फ्लेट सी 1/ 307 में मनाया जाएगा । उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश के मीडिया प्रभारी विवेक साहू ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद साहू कार्यवाहक अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू डा.प्रकाश सेठ, डॉ हेमराज साहू, रमेश साहू बैरसिया , हरिशंकर

साहू, अनिल साहू अकेला , जिलाध्यक्ष रवींद्र साहू झूमरवाला, शिव प्रसाद साहू, हर प्रसाद साहू सहित जिले की सभी इकाइयों के अध्यक्ष महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर 5 सितंबर को शिक्षक दिवस होने के कारण समाज के शिक्षक शिक्षकियों को भी प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद साहू सम्मानित करेंगे। प्रदेश के महामंत्री रमेश साहू द्वारा प्रदेश के समस्त जिला अध्यक्षों को उनके जिला एवं तहसील स्तर पर स्थापना दिवस मनाने के साथ ही अपील की है सभी स्थानों पर स्थानीय शिक्षकों को शिक्षक दिवस पर सम्मानित करने की अपील की है।

डॉ.वीणा विज के लघुकथा संग्रह `रांग नंबर ` का लोकार्पण एवं चर्चा गोष्ठी सम्पन्न

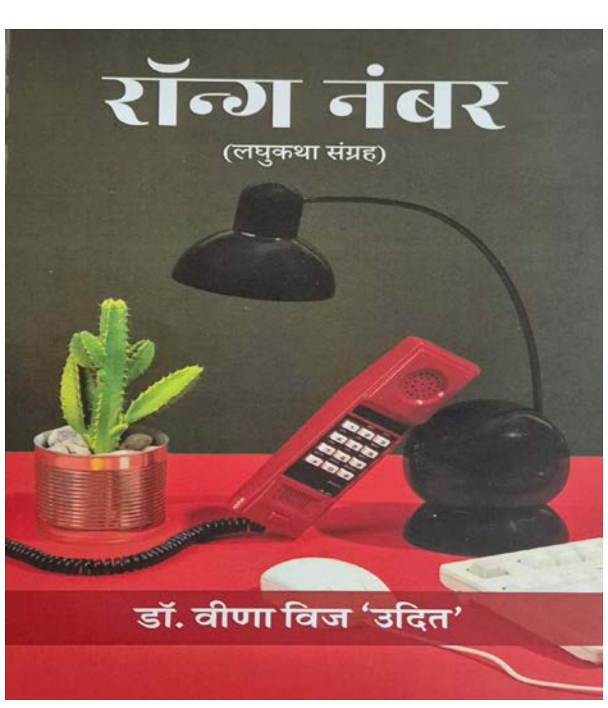

लघुकथा में कथ्य भाषा और शिल्प के बीच संतुलन और समन्वय बहुत जरूरी -घनश्याम मैथिल

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'लघुकथा में भाषा और शिल्प का महत्व कथ्य से कम महत्वपूर्ण नहीं होता, | लघुकथा में शीर्षक से लेकर कथ्य शिल्प और उद्देश्य हर जगह संतुलन रखा जाना बहुत आवश्यक है | 'यह उदगार हैं वरिष्ठ लघुकथाकार एवं सचिव लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत के जो लघुकथा कथा शोध केंद्र समिति द्वारा लघुकथाकार डॉ. वीणा विज ' उदित ' जालंधर के सध्य प्रकाशित लघुकथा संग्रह 'रांग नंबर ' के लोकार्पण एवं विमर्श के आयोजन की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे |

कार्यक्रम का सफल संचालन केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने किया , स्वागत उद्बोधन डॉ.वर्षा ढोबले ने प्रस्तुत किया | इस अवसर पर लेखिका ने इस संग्रह से रांग नंबर,पहचान के लोग,पैरी पैना,दशहरी आम,और जुमे की नमाज लघुकथाएं प्रस्तुत की और अपनी सृजन यात्रा के बारे में विचार साझा किए |

इस अवसर पर इन लघुकथाओं पर बोलते हुए समीक्षक ज्योति करंजगांवकर ने इन लघुकथाओं को जीवन की वास्तविकता से जुड़ी और कथानक के आसपास सृजित प्रभावी लघुकथाएं बताया ,साथ ही दूसरी समीक्षक वरिष्ठ साहित्यकार सुनीता प्रकाश ने इन कहा कि अपनी संस्कृति और संस्कार से जुड़ी अपने समय को आईना दिखाती इन लघुकथाओं के कथ्य में नवीनता को रेखांकित करते हुए उन्होंने समकालीन लघुकथा साहित्य में इस पुस्तक को महत्वपूर्ण कदम और उपस्थिति माना।

इलाज से परहेज भला!

गुजरे 27 जून को विदेशी मुद्रा भंडार में 879.98 मिट्रिक टन सोना था। साल भर पहले की तुलना में यह लगभग 40 टन ज्यादा है। इस दौरान भंडार में अमेरिकी ट्रेजरी बिल 242 बिलियन डॉलर से घटकर 227 बिलियन डॉलर के रह गए। खबर दूरगामी महत्त्व की है। और यह संकेत है कि भारत भी उन देशों में शामिल है, जो विश्व वित्तीय बाजार में संभावित उथल-पुथल के मद्देनजर एहतियाती कदम उठा रहे हैं। खबर है कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में स्वर्ण का हिस्सा अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के ट्रेजरी विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक गुजरे 27 जून को विदेशी मुद्रा भंडार में 879.98 मिट्रिक टन सोना था। साल भर पहले की तुलना में यह लगभग 40 टन ज्यादा है। दूसरी तरफ पिछले साल 28 जून को भारतीय भंडार में 242 बिलियन डॉलर के अमेरिकी ट्रेजरी बिल (अमेरिकी बॉन्ड) थे, जबकि इस वर्ष 27 जून को ये घटकर 227 बिलियन डॉलर के रह गए। मतलब साफ है। आरबीआई ने सोने में निवेश बढ़ाया, जबकि डॉलर में घटाया। यह मालूम नहीं है कि भारत ने चीन की तर्ज पर योजनाबद्ध ढंग से अमेरिकी बॉन्ड्स में निवेश घटाया है। मगर यह साफ है कि भारत ने नए निवेश में सोने को तरजीह दी है। इस तरह भारत ग्लोबल साउथ के आम ट्रेंड के साथ चला है। अमेरिकी डॉलर में विकासशील देशों के भरोसे को 2022 में झटका लगा, जब अमेरिका ने अपने रणनीतिक मकसद हासिल करने के लिए रूस के खिलाफ सख्त प्रतिबंध लगा दिए और पश्चिमी बाजारों में मौजूद 300 बिलियन डॉलर के रूसी निवेश को जब्त कर लिया। तब से विभिन्न देशों के बीच आपसी कारोबार में अपनी मुद्राओं में भुगतान करने का चलन तेजी से बढ़ा है। इस दौरान ब्रिक्स+ जैसे समूहों ने अंतरराष्ट्रीय भुगतान की नई प्रणाली विकसित करने पर काफी माथापच्ची की है। डॉनल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था की स्थिरता को लेकर भी आशंकाएं गहराती चली गई हैं। बहरहाल, भारत का अब तक घोषित रुख यही रहा है कि वह डॉलर का प्रचलन खत्म करने की किसी कोशिश का हिस्सा नहीं है। मगर आरबीआई के कदम संकेत देते हैं कि इस दौरान भारत भी ऐहतियाती कदम उठा रहा है। यह काबिल-ए-तारीफ है। अस्थिर होती दुनिया में अपने को हर हाल के लिए तैयार रखना उचित नजरिया है।

इंसाफ का सवाल है

ये दलील अपनी जगह सटीक है कि अगर राष्ट्र के खिलाफ किसी ने कुछ किया है, तो उसे जेल में रहना चाहिए। मगर ऐसे इल्जाम न्यायिक प्रक्रिया के अंजाम पर पहुंचने से तय होंगे, या महज आरोप भर लग जाने से? फिलहाल मुद्दा यह नहीं है कि उमर खालिद, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा, शिफा उर रहमान आदि फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों की साजिश में शामिल थे या नहीं। उन पर साजिश में शामिल होने का आरोप है, जिस पर न्यायपालिका का निर्णय आना बाकी है। संबंधित कोर्ट अभियुक्तों के खिलाफ मौजूद साक्ष्यों पर विचार करने और उन पर अभियुक्तों की दलील सुनने के बाद अपने निर्णय पर पहुंचेगा। अगर ये सभी दोषी पाए गए, तो भारतीय न्याय संहिता में मौजूद प्रावधानों के तहत उन्हें वाजिब सज़ा सुनाई जाएगी। अपेक्षित यह था कि पांच साल की लंबी अवधि के दौरान कम-से-कम निचली अदालत इस प्रक्रिया को पूरी कर चुकी होती। अगर आरोप साबित हो गए होते, तो अभी ये अभियुक्त अभी सजा काट रहे होते। मगर यह भारतीय न्याय व्यवस्था पर प्रतिकूल टिप्पणी है कि यह प्रक्रिया के पूरी होने की संभावना अभी तक दूर बनी हुई है। इस बीच सभी आरोपी पांच साल से जेल में बंद हैं। फिर भी दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी जमानत की अर्जी खारिज कर दी है। इसका अर्थ एक तरह से अभियोजन पक्ष की इस दलील पर अदालत की मुहर लगना है कि 'अगर आपने राष्ट्र के खिलाफ कुछ किया है, तो आपको जेल में ही रहना चाहिए।' ये दलील अपनी जगह सटीक है। मगर सवाल है कि राष्ट्र के खिलाफ किसी ने कुछ किया है, यह न्यायिक प्रक्रिया के अंजाम पर पहुंचने से तय होगा, या महज आरोप भर लग जाने से? आधुनिक न्याय व्यवस्था का तो सिद्धांत है कि जब तक दोष साबित ना हो जाए, अभियुक्त को निर्दोष माना जाता है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने कई बार व्यवस्था दी है कि विचाराधीन मामलों में बेल नियम होना चाहिए, जबकि जेल अपवाद। हाई कोर्ट ने कहा है कि इस मामले में मुकदमा सामान्य ढंग से चलेगा। जबकि भारतीय न्याय व्यवस्था की सामान्य गति विभिन्न मामलों में देर से हुआ न्याय अन्याय है- की कहावत के अनुरूप साबित हुई है। फिर मुद्दा यह भी है कि आखिरकार ये अगर आरोपी अगर बरी हो गए, तो उनकी मौजूदा पीड़ा की भरपाई कौन करेगा?

भारत अब कूटनीति भी दिखवाता है!

कूटनीति गुपचुप मौन में होती है। पर इन दिनों भारत कूटनीति और सैन्य ऑपरेशन (आरपेशन सिंदूर) दोनों का एक सा प्रदर्शन कर रहा है। भारत अपनी कूटनीति को साउथ ब्लॉक के गलियारों की मौन रणनीति के मौन परिणामों से नहीं, बल्कि ड्रॉइंग रूम, फ़ोन की स्क्रीन और खाने की मेज़ों तथा फोटोशूट से दिखलाता है। विदेश नीति तभी विशिष्ट कूटनीतिज्ञों का कौशल और कला थी। लेकिन पिछले ग्यारह वर्षों में यह बदला है। इसका श्रेय निर्विवाद रूप से नरेंद्र मोदी को जाता है। जिस दिन वे विदेश की ज़मीन पर शोमैन के आत्मविश्वास के साथ उतरे — जयकारों का हाथ हिलाकर जवाब देते हुए, संयुक्त राष्ट्र में हिंदी बोलते हुए, शिखर सम्मेलनों को तमाशों में बदलते हुए — उसी दिन से भारत की विदेश नीति तमाशा राजनीति का हिस्सा है।

पहला कार्यकाल पूरी तरह से ऑप्टिक्स पर था: लगातार विदेश यात्राएँ, विश्व नेताओं के साथ फ़ोटो-ऑप, "नया भारत" का वह हल्ला जिसमें दुनिया मानों भारत पर फिदा है। इसका फायदा यह हुआ कि आम भारतीय भी कंधे उचका कर ओबामा, ट्रंप, पुतिन, शी जिन पिंग सभी को भारत के प्रधानमंत्री का भक्त मान गौरवान्वित था।

दूसरे कार्यकाल में, और जैसे ही दुनिया भर में युद्ध भड़कने लगे, यह जुड़ाव और गहरा हुआ। भारतीय लोग लड़ाईयों को फ़ॉलो करने लगे, यहाँ तक कि आधे-अधूरे सचों को भी पकड़कर—जैसे वह गढ़ी हुई कहानी कि रूस ने यूक्रेन पर हमला रोककर भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकलने दिया। मतलब जो कभी दूर था, वह व्यक्तिगत और लगभग सिनेमाई बन गया। विदेश नीति अब केवल संधियों और व्यापारिक समझौतों का नक्शा नहीं रही, बल्कि राष्ट्र के लिए कहानी बन गई—हर इशारा घरेलू दर्शकों के लिए बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया।

भारत ने जब G20 की मेज़बानी की, तो उसे केवल एक और सम्मेलन की तरह नहीं देखा गया। उसे तमाशे में बदल दिया गया—वैश्विक मंच के लिए और घरेलू गौरव के लिए। विश्व के मामलॉ अब थिंक टैंकों, शोधकर्ताओं, कॉरपोरेट्स या नेताओं की बपौती नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय उत्सव की तरह गढ़ी गई। इसे ओलंपिक जैसे भव्य आयोजन की तरह पेश किया गया—जहाँ नीति से ज़्यादा प्रदर्शन था।

यही है भारत की नई विदेश नीति की रूपरेखा: कूटनीति को तमाशे में बदलना, और राजनीति की तरह पेश करना। अगर अमित शाह घरेलू राजनीति और चुनावी गणित को बारीकी से सँभालते हैं, तो एस. जयशंकर देशों, राजदूतों और कूटनीतिज्ञों को भाजपा के हित में उसी तरह सँभालते हैं जैसे मोदी और शाह आम जनता से जुड़ने के लिए सादी हिंदी बोलते हैं, वैसे ही जयशंकर वैश्विक मंच पर छोटे-छोटे, तीखे वाक्यों में बोलते हैं—जिससे विदेश नीति सहज और सहभागी लगती है। यों विचार में बुराई नहीं है। लेकिन जैसे शाह की राजनीति मतदाता को एक ही स्क्रिप्ट में बाँध देती है, कल्पना और विकल्पों को कुचल देती है, वैसे ही जयशंकर की शैली विदेश नीति को भी संकुचित कर जाती है—विकल्पों को धुँधला, नागरिकों को भ्रमित और कूटनीति को विकल्पहीन प्रदर्शन में बदलकर।

देखिए मौजूदा परिदृश्य। भारत आज ट्रंप से नाराज़ है, क्योंकि ट्रंप

मोदी—और भारत—से नाराज़ हैं। नतीजाः भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत टैरिफ। अर्थशास्त्री कह सकते हैं असर सीमित होगा, लेकिन चोट साफ़ महसूस हो रही है। पर अर्थशास्त्र से परे, सामाजिक और सांस्कृतिक असर और गहरा है। मोदी सरकार स्वदेशी के आह्वान के साथ नागरिकों से कह रही है: "अमेरिका का बहिष्कार करो।" और यह राष्ट्रवादी मानसिकता वाले नागरिकों—जो आज लगभग हर कोई है—को अजीब दुविधा में डाल देता है: मैकडॉनल्ड्स और कोक को छोड़ो, नेटफ़्लिक्स और स्टारबक्स से किनारा करो, एडिडास को नकारो और शायद हॉलीवुड को भी।

यह पैटर्न नया नहीं है। नागरिक पहले भी यह भुगत चुके हैं। कभी टिकटॉक और चीनी ऐप्स, कभी मालदीव और उसके समुद्रतट, कभी तुर्की और उसका नेता, और पाकिस्तान तो हमेशा सूची में। हर बहिष्कार उत्साह, हैशटैग और छाती ठोकने से शुरू होता है, लेकिन जल्दी ही रोज़मर्रा से टकरा कर ढह जाता है—भारतीय उपकरणों में चीनी स्क्रू, भारतीय कारखानों में विदेशी रसायन, भारतीय मॉल में विदेशी ब्रांड। जो संकल्प देशभक्ति से शुरू होता है, वह चयनात्मक विस्मृति में समाप्त होता है।

यह चक्र जनता को भ्रमित करता है। आज भारत का असली दुश्मन कौन है? कौन सा देश अपनाना सुरक्षित है, कौन सा ब्रांड उपभोग करना सुरक्षित है? विदेश नीति मूड स्विंग्स में बदल गई है—घरेलू राजनीति के लिए प्रस्तुत, राष्ट्रवाद के पैकेज में बाँधी हुई। आम नागरिक के लिए यह विरोधाभास का रंगमंच बन गया है: अमेरिकी कॉफ़ी पीते हुए अमेरिका को कोसना, चीनी स्क्रीन पर बैठकर चीन के बहिष्कार के नारे लगाना, मालदीव की छुट्टियाँ बुक करते हुए मालदीव के नेताओं को गाली देना।

ख़तरा केवल पाखंड का नहीं है—यह थकान का है। नागरिकों को यह विश्वास करने की आदत डाली जा रही है कि कूटनीति मनमर्जी पर चलती है: दोस्त जब दुश्मन बने तो बहिष्कार करो, और जो पहले दुश्मन था उसे दोस्त बना लो। लेकिन विदेश नीति तमाशा नहीं है। यह अनुशासन है—निरंतरता, विश्वसनीयता और विश्वास के धीमे संचय पर आधारित। कूटनीति हैशटैग और हैंडशेक से नहीं चलती; यह व्यापार वार्ताओं, ऊर्जा मार्गों की सुरक्षा, दीर्घकालिक गठबंधन, युद्ध रोकने और अस्थिर दुनिया में स्थिरता बनाने का काम है।

जयशंकर की शैली ने इसे तेज़ पलटाव के तमाशे में बदल दिया है—कभी पुतिन के साथ कंधे से कंधा, तो अगले दिन यूक्रेन के लिए गांधी का हवाला। कभी मालदीव के बहिष्कार के नारे, तो अगले महीने खाड़ी के शासकों के लिए लाल कालीन। यह तमाशे घरेलू दर्शकों को रोमांचित कर सकते हैं, पर विदेश में साझेदारों को असहज करते हैं, जिन्हें प्रदर्शन नहीं बल्कि पूर्वानुमान चाहिए। समस्या व्यावहारिकता नहीं है—वह ज़रूरी है। समस्या प्रदर्शन है। जब विदेश नीति को तालियों के लिए मंच बना दिया जाता है, तो जोखिम यही है कि कूटनीति खोखली हो जाएगी। नागरिकों को रणनीति पर बहस करने के बजाय वफ़ादारी की झूलती लहरों पर चीयर करने की आदत पड़ जाती है। भारत भावुक, अप्रत्याशित और अविश्वसनीय दिखता है—वैसा नहीं जैसा किसी महाशक्ति को दिखना चाहिए।

तो आज भारत की विदेश नीति क्या है? यह व्यवहारिकता और प्रदर्शन का मिश्रण है—गणना में यथार्थवादी, प्रस्तुति में नाटकीय। जयशंकर ने इसे सीधेपन की भाषा दी है, मोदी ने इसे जन राजनीति का रंगमंच। मिलकर उन्होंने भारत को पहले से कहीं ज़्यादा ऊँचा और दृश्यमान बनाया है। लेकिन विश्वसनीयता के बिना दृश्यता ख़तरनाक मुद्रा है। अगर रणनीति तमाशे में बदलती रही, तो भारत पाएगा कि घरेलू तालियाँ विदेश में विश्वास की क़ीमत पर आती हैं। और भू-राजनीति की निर्मम गिनती में भ्रम का उत्तर सम्मान से नहीं, बल्कि तब भविष्य में अलगाव से, अछूत होने का मिलता है।

'गुमनामी बाबा' के ऐसे सामान का क्या अर्थ?

नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक संपन्न व कुलीन परिवार से थे। आईसीएस (वर्तमान में आईएएस) की परीक्षा में, 1920 में उनकी चौथी रैंक आई थी। आज़ादी की लड़ाई लड़ने के लिए 1921 में उन्होंने इतनी बड़ी नौकरी से इस्तीफ़ा दे दिया था। बक्से में से उनके परिवार व निकट के लोगों के 110 चित्र मिले हैं। जिनमें नेताजी के माता-पिता का फ्रेम करा हुआ चित्र, मखमली कपड़े में लिपटा हुआ उनके बक्से में रखा था। श्री शक्ति सिंह के अयोध्या स्थित घर, 'राम भवन' के जिस कमरे में गुमनामी बाबा रहते थे, उसमें दीवार पर माँ काली का चित्र टंगा था। पिछले हफ़्ते मैंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विषय में इस कॉलम में जो लिखा था उस पर बहुत प्रतिक्रियाएँ आई। यूटयूब पर तमाम इंटरव्यू व रिपोर्ट्स हैं। वहाँ आप 'गुमनामी बाबा' या सुभाष चंद्र बोस' टाइप करके उन्हें देख सकते हैं। विशेषकर अनुज धर, चंद्रचूड़ घोष, शक्ति सिंह, डॉ दिनेश सिंह तोमर, आदि के इंटरव्यू व ज़ी टीवी पर एक 'गुमनामी बाबा का बॉक्स नंबर 26' जैसी रिपोर्ट्स देख, सुनकर आप दंग रह जाएँगे।

मैंने उनके कमरे से मिली 2760 वस्तुओं में से कुछ का ज़िक्र किया था। यहाँ उन सामानों में से कुछ और का विस्तार से वर्णन कर रहा हूँ। ये सूची इतनी प्रभावशाली है कि केवल साधना करने वाले संत का सामान नहीं हो सकता। आप सोचने पर मजबूर हो जाएँगे कि 'गुमनामी बाबा' अगर नेताजी सुभाष चंद्र बोस नहीं थे तो और कौन थे? ये सूची जब मैंने देश के एक सबसे बड़े पुलिस अधिकारी रहे सज्जन को पढ़वाई तो वे भी दंग रह गए। 'गुमनामी बाबा' के कमरे में अंग्रेज़ी, बंगला व संस्कृत साहित्य की 304 पुस्तकें मिली हैं। वहीं 260 आध्यात्मिक पुस्तकें भी मिली हैं। मेडिकल साइंस पर 118, राजनीति व इतिहास पर 57, रहस्य और तंत्रशास्त्र पर 46, रामायण व महाभारत पर 36, सुभाष चन्द्र बोस पर 34, यात्रा वृतांत ग्रन्थ 33 व ज्योतिष और हस्तरेखा विज्ञान पर 12 पुस्तकें मिली हैं। अब ज़रा अंग्रेज़ी की पुस्तकों के लेखकों नाम और उनके लिखे ग्रंथों की संख्या देखिए, ड्यूरांट (11), शेक्सपियर का लिखा सम्पूर्ण साहित्य व 9 नाटक, टी. लोबसांग रम्पा (10), वाल्टर स्कॉट (8), अलेक्जेंडर डुमास (8), एरिक वॉन डेनिकेन (4), पीजी वोडहाउस (3), कुलदीप नैयर (3) आदि पुस्तकें उनके बक्सों और अलमारी से निकली हैं।

ऐसे उच्च कोटि के विश्वविख्यात साहित्य को पढ़ने वाला कोई भजनानंदी साधु नहीं हो सकता। सभी जानते हैं कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक संपन्न व कुलीन परिवार से थे। आईसीएस (वर्तमान में आईएएस) की परीक्षा में, 1920 में उनकी चौथी रैंक आई थी। आज़ादी की लड़ाई लड़ने के लिए 1921 में उन्होंने इतनी बड़ी नौकरी से इस्तीफ़ा दे दिया था।

उपरोक्त साहित्य के अलावा, उनके कमरे से रीडर्स डाइजेस्ट, अमरीकी पत्रिका टाइम, इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ़ ब्लिट्ज, ऑर्गेनाइजर, जुगवाणी, द पायनियर, आज, अमृत प्रभात, अमृत बाज़ार पत्रिका, आनंद बाज़ार पत्रिका, दैनिक जागरण, द स्टेट्समैन, टेलीग्राफ, टाइम्स ऑफ़ इंडिया व अमर उजाला जैसी तमाम प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ और अख़बार भी मिले हैं। उनके बक्से में से उनके परिवार व निकट के लोगों के 110 चित्र मिले हैं। जिनमें नेताजी के माता-पिता का फ्रेम करा हुआ चित्र, मखमली कपड़े में लिपटा हुआ उनके बक्से में रखा था। श्री शक्ति सिंह के अयोध्या स्थित घर, 'राम भवन' के जिस कमरे में गुमनामी बाबा रहते थे, उसमें दीवार पर माँ काली का चित्र टंगा था। जिनकी वे रोज़ धूप-बत्ती जला कर पूजा करते थे। रोचक बात यह है कि 23 जनवरी को देश भर में जहां भी उनका जन्मदिन मनाया जाता था उसकी ख़बरों में से सुभाष चंद्र बोस की फोटो निकाल कर संग्रह की गई हैं। इसी बक्से से नेताजी की बचपन से मित्र रहीं और क्रांतिकारी संगठन की नेत्री सुश्री लीला रॉय, पंडित नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद और महात्मा गांधी के चित्र भी मिले हैं।

उनके संगीत संग्रह में महिषासुरमर्दनी स्त्रोत की रिकॉर्डिंग, रवींद्र संगीत, नज़रुल इस्लाम, श्यामा संगीत, केएल सहगल, ज्योतिका रॉय, उस्ताद फ़ैयाज़ ख़ान, पं रवि शंकर का सितार वादन, बिस्मिल्लाह ख़ाँ की शहनाई, नेताजी के बचपन से मित्र और मशहूर गायक दिलीप कुमार रॉय के गाए गीत, हेमंत कुमार के गीत, पन्नालाल घोष, लालन फ़क़ीर आदि की गायकी के रिकॉर्ड भी मिले हैं। इसके अलावा बॉलीवुड की फ़िल्म 'सुभाष चंद्र बोस' का पूरा साउंडट्रैक भी मिला है। इंग्लैंड के टाइपराइटर और जर्मनी की बनी दूरबीन, जापानी क्रॉकरी, दो महंगी घड़ियाँ जिनमें से एक सोने की बनी ओमेगा घड़ी बिल्कुल वैसी है जैसी नेताजी की माँ ने उन्हें जन्मदिन पर भेंट की थी, जिसे वो अक्सर पहना करते थे। दूसरी महंगी घड़ी रोलेक्स की है। गोल फ्रेम के 8 चश्में जिसमें से एक का फ्रेम शायद सफेद सोने का है। इन सब सामानों में सबसे भावुक वस्तु है नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पिता श्री जानकी नाथ बोस की एक पुरानी छतरी जो, उनकी यादगार के प्रतीक रूप में गुमनामी बाबा ने सहेज कर रख रखी थी। इस छतरी को नेता जी के भतीजी ललिता बोस ने पहचाना। उनके काग़ज़ों में अयोध्या व काशी के विस्तृत नक्शे, भारत के सड़क मार्गों व फौजी ठिकानों के नक्शे, मध्य एशिया, मध्य पूर्व एशिया व दक्षिण पूर्व एशिया के नक्शे, जिन्हें हाथ से बनाया गया था, भी वहाँ बरामद हुए हैं।

आयोग और पार्टियों के लिए एसआईआर का सबक!

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का काम अब पूरे देश में होने जा रहा है। चुनाव आयोग ने बिहार में इसका प्रयोग किया और उसके बाद पूरे देश में यह प्रक्रिया चलेगी। आयोग को सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के फैसले का इंतजार है। आठ सितंबर को आगे की सुनवाई होनी है। अभी तक की सुनवाई में चुनाव आयोग और बिहार में चल रहे एसआईआर को चुनौती देने वाले याचिककर्ताओं की दलीलों और सर्वोच्च अदालत के निर्देशों से बहुत सी बातें स्पष्ट हो गई हैं। इससे चुनाव आयोग को और साथ ही राजनीतिक दलों को भी सबक मिला है कि उनको क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। बिहार का सबक उन राज्यों के लिए ज्यादा खास है, जहां अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। पहला सबक, बिहार में हुए एसआईआर का पहला सबक टाइमिंग का है। बिहार में यह चुनावी साल है और समरी रिवीजन यानी संक्षिप्त पुनरीक्षण का काम पहले से चल रहा था। जनवरी 2025 में आयोग ने यह काम पूरा किया था। लेकिन उसके पांच महीने बाद अचानक 24 जून को आयोग ने अधिसूचना जारी करके स्पेशल इंटेसिव रिवीजन यानी एसआईआर शुरू कर दी और करीब आठ करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण एक महीने के अंदर करने का फैसला किया। आयोग की मंशा पर सबसे ज्यादा सवाल इसी बात को लेकर उठा कि उसने अचानक क्यों घोषणा की और इतना कम समय क्यों दिया। सो, आगे जिन राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया होनी वहां आयोग को एसआईआर के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए। दूसरा सबक, बिहार एसआईआर का दूसरा बड़ा सबक भी समय की अवधि से जुड़ा है लेकिन इसका ज्यादा संबंध काम की गुणवत्ता से है। आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया इसलिए शुरू की थी कि मतदाता सूची में विसंगतियां हैं और उनको दूर करने की जरुरत है। अच्छी बात है। लेकिन अगर एसआईआर के बाद भी विसंगति रह जाए तो उसको क्या कहा जाएगा? आयोग ने विसंगति दूर करने और मतदाता सूची की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए एसआईआर की प्रक्रिया चलाई और उसके बाद भी हजारों, लाखों विसंगतियां रह गईं। ऐसा इसलिए हुआ कयोंकि जल्दबाजी में गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। बूथ लेवल ऑफिसर्स यानी बीएलओ को बहुत कम समय दिया गया। उनके कामकाज की मॉनिटरिंग का प्रभावी सिस्टम नहीं बना। मतदाता पंजीकरण अधिकारी यानी ईआरओ और असिस्टेंट ईआरओ ने आंख मूंद कर बीएलओ की रिपोर्ट पर भरोसा किया। इसका नतीजा यह हुआ कि तमाम तरह की

विसंगतियां मतदाता सूची में रह गईं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां तो 89 लाख विसंगतियों की बात कर रही हैं लेकिन अगर इसका एक फीसदी यानी 89 हजार भी है तो क्यों है? इसी को ठीक करने के लिए तो एसआईआर हुआ! तीसरा सबक, चुनाव आयोग और राजनीतिक दल दोनों के लिए है। यह सबक बूथ लेवल ऑफिसर्स यानी बीएलओ और बूथ लेवल एजेंट्स यानी बीएलए के प्रशिक्षण का है। यह प्रशिक्षण एसआईआर की प्रक्रिया और उसमें इस्तेमाल होने वाली तकनीक दोनों के लिए है। मतगणना प्रपत्र कैसे भरा जाना है और जरूरी दस्तावेज कैसे अपलोड किए जाने हैं, इसका प्रशिक्षण होना चाहिए। राहुल गांधी ने बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाली महादेवपुरा विधानसभा सीट पर एक लाख वोट चोरी की जो बात कही थी उसमें उनका एक आरोप यह भी था कि सैकड़ों नाम के आगे फोटो इतनी छोटी थी कि उसे पहचाना ही नहीं जा सकता था। ऐसे में फर्जी वोटिंग की आशंका बढ़ती है। एसआईआर के बाद यह विसंगति नहीं रहे इसका ध्यान रखना चाहिए। इसी तरह एसआईआर के पहले चरण के बाद जो मसौदा मतदाता सूची जारी हुई है उसमें बहुत से लोगों के नाम छूट गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि परफेक्शन के साथ काम करने का न तो समय था और न बीएलओ व बीएलए के पास काम का प्रशिक्षण था। चौथा सबक, चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के साथ सहमति बनानी चाहिए थी। एसआईआर से पहले अगर चुनाव आयोग बिहार के राजनीतिक दलों के साथ बैठक करके उनको एसआईआर के बारे में बताता, उनकी राय जानता, उनको बूथ लेवल एजेंट्स को प्रशिक्षित करने के लिए कहता तो शायद एसआईआर की घोषणा पर इतना विवाद नहीं होता। सोचें, चुनाव आयोग मतदान की तारीखों की घोषणा से पहले कई बार राज्यों का दौरा करता है, पार्टियों की राय जानता है, तीज त्योहार के कैलेंडर देखता है, खेती किसानी का समय देखता है लेकिन बिहार में एसआईआर के मामले में आयोग ने ऐसा कुछ नहीं किया। बिहार में धान रोपने का सीजन था और कई इलाके बाढ़ व बारिश से परेशान थे, उसी बीच आयोग ने बिना कोई सहमति बनाए एसआईआर की घोषणा कर दी। हालांकि चुनाव आयोग ने भले सहमति नहीं बनाई थी लेकिन एक गलती कर दी थी। बिहार की पार्टियों के साथ बैठक में आय़ोग ने कह दिया था कि बिहार में 20 फीसदी नाम कटना चाहिए। इससे पार्टियां अलर्ट हो गई थीं। बिहार की पार्टियों का कहना है कि उनके अलर्ट होने की वजह से सिर्फ आठ फीसदी के करीब यानी 65 लाख नाम कटे अन्यथा एक करोड़ 60 लाख नाम कट सकते थे। पांचवां सबक, यह एसआईआर की प्रक्रिया से जुड़ा है। एसआईआर की प्रक्रिया बहुत कामचलाऊ और गैरपेशेवराना थी। इससे भी चुनाव आयोग की साख प्रभावित हुई। यह 2003 का जमाना नहीं है, जब एसआईआर जैसे तैसे कर दिया गया। अब हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल है और अपने को अभिव्यक्त करने का प्लेटफॉर्म है। सो, चारों तरफ से खबरें और तस्वीरें आने लगीं कि कैसे कैजुअल तरीके से बीएलओ काम कर रहे हैं। इससे चुनाव आयोग का मजाक बन गया। छठा सबक, चुनाव आयोग को पेशेवर तरीके से मतदाता सूची का पुनरीक्षण करना था। लेकिन उससे पहले ही आयोग ने सूत्रों के हवाले से नैरेटिव बनाने का जो प्रयास किया वह बैकफायर कर गया। चुनाव आयोग के सूत्रों के हवालों से कहा गया कि बूथ लेवल ऑफिसर्स को बड़ी संख्या में बांग्लादेशी, रोहिंग्या और नेपाली मिले हैं, जो बिहार के मतदाता बन गए हैं। लेकिन पहला चरण पूरा होने के बाद जो मसौदा सूची आई उसमें अपवाद के लिए भी कोई बांग्लादेशी, रोहिंग्या या नेपाली नहीं मिला। सो, यह आयोग के लिए बड़ा सबक है कि घुसपैठियों का नैरेटिव बनाना भाजपा या किसी और राजनीतिक दल का एजेंडा हो सकता है, चुनाव आयोग का यह एजेंडा नहीं होना चाहिए। सातवां सबक, यह सबसे अहम है क्योंकि यह नीतिगत मामलों से जुड़ा है। इसमें दो बातें अहम हैं। पहली बात प्रक्रिया की है और दूसरी सत्यापन के दस्तावेजों की है। चुनाव आयोग ने बिहार में नाम काटने की तीन श्रेणी बनाई। पहली, जिनकी मृत्यु हो गई है। इस श्रेणी में 22 लाख लोगों के नाम कटे। दूसरी, जो स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं। इसमें 37 लाख लोगों के नाम कटे। और तीसरी जिनके नाम एक से ज्यादा जगह पर हैं। इसमें करीब छह लाख नाम हैं। अगर प्रक्रिया ठीक होती तो यह शिकायत नहीं आती कि मृत लोगों के नाम अब भी सूची में मिल रहे हैं और जीवित लोगों को मृत बना कर नाम काट दिया गया। सबसे ज्यादा शिकायत दूसरी श्रेणी को लेकर है। कहा गया कि बीएलओ एक घर में तीन बार जाएगा और अगर मतदाता नहीं मिला तो उसका नाम काट दिया जाएगा। बिहार जैसे सर्वाधिक प्रवासन वाले राज्य के लिए यह बहुत गलत था। अव्वल तो बीएलओ तीन बार देखने नहीं गए और अगर गए भी तो यह नाम काटने का आधार नहीं हो सकता है। अपने घर से बाहर दूसरे जिले या दूसरे राज्य में काम कर रहे बिहार के ज्यादातर प्रवासी अपने घर से जुड़े हैं। कोरोना संकट में यह दिखा कि लाखों की संख्या में लोग लौट कर घर गए। वे हमेशा लौटते हैं। तभी माना जा रहा है कि इस श्रेणी में 37 लाख में से 25 लाख से ज्यादा नाम गलत कटे हैं। जहां तक एक से ज्यादा जगह नाम का सवाल है तो वह एसआईआर के बाद भी सामने आ रहा है। अब रही नीतिगत मामले की बात तो उसमें सबसे अहम सत्यापन वाले दस्तावेजों का मामला है। आयोग ने 11 दस्तावेज निर्धारित किए, जिनमें आधार, वोटर आईकार्ड और मनरेगा कार्ड नहीं था। सुप्रीम कोर्ट में ने अंततः आधार को स्वीकार करने का आदेश दिया। चुनाव आयोग के लिए सबक है कि वह नागरिकता का सत्यापन करने की बजाय मतदाता का सत्यापन करे, नाम काटने की बजाय एसआईआर को नाम काटने और जोड़ने दोनों का अभियान बनाए और सत्यापन को मुश्किल बनाने की बजाय इसे आसान बनाए। दूसरी जरूरी बात यह है कि ऑर्डिनरी और परमानेंट रेजिडेंट्स की परिभाषा ठीक करे। बिहार में अनेक लोगों के नाम इस आधार पर काटे गए कि वे बताए गए पते के सामान्य रहवासी नहीं हैं यानी वहां से शिफ्ट कर गए हैं। लेकिन असल में वह उसी पते का रहवासी होता है, जो हर मौके पर वहां लौटता है। उसको यह विकल्प दिया जाना चाहिए कि वह वहां का मतदाता रहना चाहता है या नाम कटवाना चाहता है।

-अजीत द्विवेदी

पुतिन KGB ट्रेनिंग का इस्तेमाल कर रहे... ट्रंप के पूर्व NSA ने किया बड़ा दावा, वॉइट हाउस ने भारत और चीन को करीब ला दिया

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) रहे जॉन बोल्टन ने एक बार फिर रिपब्लिकन नेता पर हमला बोला है। जॉन बोल्टन ने ट्रंप प्रशासन पर भारत और अमेरिका के संबंधों को दशकों पीछे धकेलने का आरोप लगाया है, जिसने भारत को रूस और चीन के करीब धकेल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजिंग ने खुद को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के विकल्प के रूप में पेश किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने यह बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने एक लेख शेयर किया है, जिसमें उनके हवाले से दावा किया गया है कि पुतिन ने अपनी केजीबी ट्रेनिंग का इस्तेमाल ट्रंप की कमजोरियों को समझने और उसका फायदा उठाने के लिए किया था। सोवियत संघ के पतन से बाद रूसी राजनीति में प्रवेश करने वाले पुतिन ने पूर्व में सोवियत सुरक्षा बल के लिए काम किया था। बोल्टन ने दावा किया कि पुतिन अपनी केजीबी ट्रेनिंग का इस्तेमाल ट्रंप से अपना काम निकालने में कर रहे हैं। 'टुनाइड विद एंड्रयू मार' प्रोग्राम में बोल्टन ने कहा, 'मुझे लगता है कि पुतिन ने पहले कार्यकाल में ट्रंप के साथ संबंध स्थापित किए थे। उन्होंने केजीबी ट्रेनिंग का इस्तेमाल लोगों का आकलन करने, उनकी कमजोरियों को समझने और उनका फायदा उठाने के लिए किया है।' बोल्टन ने दावा किया कि पुतिन ने अलास्का में भी ऐसा ही किया था। उन्होंने कहा कि ट्रंप की रुचि कम हो सकती है और रूस पर प्रतिबंध लगाने की थोड़ी संभावना है, लेकिन उन्हें यहां असफलता ही नजर आ रही है। बोल्टन ने यह भी कहा कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नेताओं के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों के चश्मे से देखते हैं। इसलिए अगर उनके व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छे संबंध हैं, तो अमेरिका के रूस के साथ अच्छे संबंध हैं। जाहिर है कि ऐसा नहीं है। बोल्टन की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन का दौरान किया था, जहां उन्होंने तियानजिन में शंघाई शिखर सम्मेलन (SCO) में हिस्सा लिया था। इस सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक भी की थी। बोल्टन ने कहा, 'ट्रंप के मोदी के साथ व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छे संबंध थे। मुझे लगता है कि अब वह खत्म हो गया है।' उन्होंने इसे दूसरे नेताओं के लिए सबक बताया और खासतौर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का नाम लेकर कहा कि अच्छा व्यक्तिगत रिश्ता कभी-कभी मददगार हो सकता है, लेकिन यह आपको सबसे बुरे हालात से नहीं बचाएगा।

क्या इंसान की उम्र 150 साल होने वाली है ? पुतिन और शी जिनपिंग की बातचीत से क्या हुआ लीक

एजेंसी बीजिंग

क्या वैज्ञानिक अब उस उपलब्धि के करीब पहुंच गए हैं, जहां इंसान सामान्य तौर पर 150 साल की जिंदगी जी सकेंगे? रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच एक सीक्रेट बातचीत माइक में रिकॉर्ड होने के बाद इसकी चर्चा तेज हो गई है। बुधवार को जब व्लादिमीर पुतिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे थे, तो एक लाइव टेलीकास्ट के माइक ने दोनों की बातचीत को कैद कर लिया। इसमें दोनों नेता मानव अंगों के प्रत्यारोपण और इंसान के 150 साल तक जिंदा रहने की संभावना पर चर्चा कर रहे थे। यह बातचीत बुधवार को उस समय रिकॉर्ड हुई, जब पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के 80 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बीजिंग में आयोजित एक सैन्य परेड में चल रहे थे। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने इस कार्यक्रम का समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस और रॉयटर्स के साथ वैश्विक मीडिया संस्थानों पर सीधा प्रसारण किया। सीसीटीवी ने बताया कि इस कवरेज को टीवी पर 40 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया, जबकि ऑनलाइन 1.9 अरब बार देखा गया। जैसे ही पुतिन और शी जिनपिंग तियानमिन चौक के मंच पर पहुंचे, पुतिन के दुभाषिए को चीनी भाषा में कहते हुए सुना गया, 'जैव प्रौद्योगिकी लगातार विकसित हो रही है। मानव अंगों का निरंतर प्रत्यारोपण किया जा सकता है। आप जितने लंबे समय तक जिंदा रहेंगे, उतने ही जवान बने रहेंगे, यहां तक कि अमरत्व भी हासिल कर सकते हैं।' इस पर शी जिनपिंग ने जवाब दिया, 'कुछ लोगों का अनुमान है कि इस सदी में इंसान 150 साल तक जिंदा रह सकते हैं। इस बातचीत के दौरान किम जोंग उन मुस्करा रहे थे और पुतिन व शी की तरफ देख रहे है। सीसीटीवी से प्रसारित वीडियो में पुतिन को साफ दौर पर रूसी भाषा में बोलते हुए नहीं सुना जा सकता है। हालांकि, बाद में पुतिन ने पुष्टि की कि उन्होंने और चीनी राष्ट्रपति ने बुधवार को इस विषय पर चर्चा की थी। लीक बातचीत के बारे में जब बीजिंग में पत्रकारों ने पूछा तो पुतिन ने कहा, मुझे लगता है कि जब हम परेड देखने गए थे, तो चेयरमैन ने इस बारे में बात की थी। स्वास्थ्य सुधार के आधुनिक साधन, चिकित्सा साधन, यहां तक कि ऑर्गन रिप्लेसमेंट से जुड़ी सर्जरी, मानवता को यह आशा देती है कि सक्रिय जीवन आज की तुलना में अलग तरीके से जारी रहेगा।

सीरिया बना रहा था परमाणु हथियार ? इजरायली बमबारी के 18 साल बाद मिला यूरेनियम, UN रिपोर्ट में खुलासा

एजेंसी दमिश्क

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने सीरिया में परमाणु हथियारों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि उसे सीरिया में एक ऐसी जगह पर यूरेनियम के अंश मिले हैं, जिसके बारे में माना जाता रहा है कि वह पूर्व सरकार के गुप्त परमाणु कार्यक्रम का हिस्सा था। ऐसा माना जाता है कि बशर अल-असद के कार्यकाल में सीरिया एक गुप्त परमाणु कार्यक्रम चला रहा था। इसमें पूर्वी डेर अल-ज़ौर प्रांत में उत्तर कोरिया द्वारा निर्मित एक अघोषित परमाणु रिएक्टर भी शामिल था। सीरिया पर पहले भी परमाणु हथियार बनाने के आरोप लगते रहे हैं। हालांकि, पूर्ववर्ती बशर अल-असद सरकार ने हमेशा से इसका खंडन किया। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कभी नहीं स्वीकारा कि उनका देश परमाणु हथियार विकसित करने पर काम कर रहा है। सीरिया का यह परमाणु फैसिलिटी 18 साल पहले इजरायली हवाई हमले में पूरी तरह नष्ट हो गई थी। रेडिएशन फैलने की वजह से इस साइट को बंद कर दिया गया था और सीरियाई सरकार ने भी इससे दूरी बना ली थी। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने पहले बताया था कि सीरिया की कुछ गतिविधियां "एजेंसी के अनुसार, संभवतः परमाणु हथियारों से संबंधित थीं।" IAEA के प्रवक्ता फ्रेडरिक डाहल ने कहा कि पिछले साल, IAEA के वैज्ञानिकों ने डेयर अल-जौर के तीन स्थानों का दौरा किया और वहां से पर्यावरणीय नमूने लिए। बाद में विश्लेषण से पता चला कि इन तीनों स्थानों में से एक पर लिए गए नमूनों में मानव गतिविधियों से बने प्राकृतिक यूरेनियम कणों की एक बड़ी संख्या पाई गई है। उन्होंने बताया कि सीरिया के परमाणु संयंत्रों से मिले यूरेनियम के कण यूरेनियम अयस्क से यूरेनियम ऑक्साइड के रूप में परिवर्तित हैं। ऐसे में समझा जा रहा है कि इनका इस्तेमाल परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों में किया गया होगा। हालांकि, यह संवर्धित यूरेनियम नहीं है, जिसका इस्तेमाल हथियार बनाने के लिए किया जाता है। पिछले साल जब असद सत्ता में थे, तब IAEA की एक टीम ने कुछ महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा किया था। असद सरकार के पतन के बाद अहमद अल-शरा के नेतृत्व वाली नई सीरियाई सरकार ने IAEA के साथ सहयोग करने पर सहमति जताई है। उन्होंने IAEA के निरीक्षकों को उस स्थल तक फिर से पहुंच प्रदान की जहां यूरेनियम के कण पाए गए थे। IAEA के वैज्ञानिकों ने वहां से और नमूने लिए हैं। वह इन नमूनों का विश्लेषण कर उस साइट से संबंधित और अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। ल-जौर में सीरियाई परमाणु संयंत्र का खुलासा तब हुआ था, जब इजरायल ने 2007 में हवाई हमले करके इस स्थल को नष्ट कर दिया। बाद में सीरिया ने इस स्थल को ध्वस्त कर दिया और IAEA के सवालों का कभी भी पूरी तरह से जवाब नहीं दिया। इजरायल मध्य पूर्व का एकमात्र परमाणु हथियार संपन्न देश माना जाता है। हालांकि, इजरायल ने कभी भी अपना परमाणु कार्यक्रम घोषित नहीं किया है।

भारत-चीन से ऐसे बात नहीं कर सकते... पुतिन की ट्रंप को चेतावनी, अमेरिका को जमकर हड़काया

एजेंसी बीजिंग

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत और चीन पर अमेरिकी टैरिफ को लेकर अमेरिका को जमकर खरीखोटी सुनाई है। उन्होंने कहा कि नया औपनिवेशिक युग शुरू करने वाले देश भारत और चीन से इस तरह से बात नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कठिन इतिहास से गुजरे उनके नेतृत्व को कमजोर समझने की कोशिश करना भूल है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ 50% का टैरिफ लगाया है। इससे न सिर्फ भारत का निर्यात प्रभावित हुआ है, बल्कि अमेरिका के साथ रिश्तों में भी गिरावट आई है। रूस के साझेदार देशों भारत और चीन पर आर्थिक दबाव के बारे में पूछे जाने पर पुतिन ने कहा, "आपके पास भारत और चीन जैसे देश हैं, जिनकी आबादी लगभग 1.5 अरब है। भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं शक्तिशाली हैं, लेकिन उनके अपने घरेलू राजनीतिक तंत्र और कानून भी हैं। इसलिए, जब कोई आपसे कहता है कि वे आपको सजा देंगे, तो आपको सोचना होगा कि उन बड़े देशों का नेतृत्व, जिनके इतिहास में भी कठिन दौर रहे हैं, उपनिवेशवाद से जुड़े रहे हैं, और लंबे समय तक उनकी संप्रभुता पर हमले हुए हैं, ऐसा कैसे हो सकता है।" पुतिन ने आगे कहा, "आपको यह समझना होगा कि अगर उनमें से कोई कमजोरी दिखाता है, तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। इसलिए, यह उसके व्यवहार को प्रभावित करता है। जो अब औपनिवेशिक युग शुरू करना चाहते हैं उन्हें यह समझना होगा कि वे अपने साझेदारों से बात करते समय इस लहजे का इस्तेमाल नहीं कर सकते। लेकिन आखिरकार, चीजें सुलझ जाएंगी। सब कुछ अपनी जगह ले लेगा और हम फिर से एक सामान्य राजनीतिक संवाद देखेंगे।"

भारत पर प्रतिबंध का यह शुरुआती दौर... 50% टैरिफ पर झुकने को तैयार नहीं ट्रंप, अब नई धमकी दे दी

एजेंसी न्यूयॉर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर अभी शुरुआती दौर के प्रतिबंध लगाए हैं और संकेत दिया कि उन्होंने अब तक ''चरण दो या चरण तीन'' के तहत प्रतिबंध नहीं लगाये हैं। पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नवरोकी के साथ ओवल ऑफिस में द्विपक्षीय बैठक में भाग लेते समय ट्रंप उस समय नाराज हो गये जब उनसे एक पोलिश पत्रकार ने पूछा कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति निराशा और हताशा व्यक्त की थी, लेकिन इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की। ट्रंप ने पोलिश पत्रकार से कहा, ''आपको कैसे पता कि कोई कार्रवाई नहीं हुई? चीन के बाद सबसे बड़े खरीदार भारत पर प्रतिबंध लगाना, क्या आप कहेंगे कि कोई कार्रवाई नहीं हुई? इससे रूस को सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान हुआ। आप इसे कोई कार्रवाई नहीं कहेंगे? और मैंने अब तक दूसरा या तीसरा चरण पूरा नहीं किया है। लेकिन जब आप कहते हैं कि कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो मुझे लगता है कि आपको कोई नयी नौकरी ढूंढ लेनी चाहिए।'' ट्रंप ने कहा कि दो सप्ताह पहले उन्होंने कहा था, ''अगर भारत तेल खरीदता है, तो भारत को बड़ी समस्याएं होंगी, और यही होता है। इसलिए, मुझे इसके बारे में मत बताइए।'' जब उनसे चीन की सैन्य परेड में पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की उपस्थिति को लेकर सवाल किया गया और पूछा गया क्या वह मास्को पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, ''मैंने भारत के संबंध में पहले ही ऐसा कर दिया है और हम अन्य चीजों के संबंध में भी ऐसा कर रहे हैं।'' ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाया है और भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जिससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है और यह शुल्क 27 अगस्त से प्रभावी हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह किसानों, पशुपालकों, लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने आगाह किया कि ''हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन करेंगे।'' भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को ''अनुचित'' बताया है। भारत ने कहा कि किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, वह अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठायेगा।

इजरायल के परमाणु कार्यक्रम की खुली पोल, युद्ध की आड़ में कर रहा ऐसा काम, सैटेलाइट ने पकड़ी चोरी

एजेंसी दुबई

इजरायल के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि इजरायल लंबे समय से अपने संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़ी एक फैसिलिटी का विस्तार कर रहा था। तस्वीरों में इजरायल की इस न्यूक्लियर फैसिलिटी में कई नए निर्माण दिखाई दिए हैं। विशेषज्ञों ने तस्वीरों का विश्लेषण कर बताया है कि यह एक नया रिएक्टर या फिर परमाणु हथियार बनाने की फैक्ट्री हो सकती है। हालांकि, इजरायल के परमाणु कार्यक्रम के गुप्त होने के कारण इस पर कुछ निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। इजरायल एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है, लेकिन उसने न तो इसे स्वीकार किया है और ना ही इससे इनकार किया है। सैटेलाइट तस्वीरों में इजरायल के दिमोना शहर के पास शिमोन पेरेज नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण देखा गया है। इस तस्वीर ने मध्य पूर्व के एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में इजरायल की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस सैटेलाइट तस्वीर के आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल की आलोचना हो सकती है, क्योंकि उसने जून में ही अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के परमाणु संयंत्रों पर बमबारी की थी। इजरायल ने डर जताया था कि ईरान इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने के लिए कर सकता है। तस्वीरों की जांच करने वाले सात विशेषज्ञों ने कहा कि उनका मानना है कि यह निर्माण इजरायल के लंबे समय से संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम से संबंधित है, क्योंकि यह डिमोना स्थित रिएक्टर के बहुत पास है, जहां कोई नागरिक बिजली संयंत्र नहीं है। हालांकि, इस नए निर्माण के बारे में उनकी राय अलग-अलग थी। तीन विशेषज्ञों ने कहा कि निर्माणाधीन क्षेत्र का स्थान और आकार इस बात का संकेत है कि इस निर्माण कार्य का सबसे संभावित कारण एक नए भारी जल रिएक्टर का निर्माण हो सकता है। ऐसे रिएक्टर प्लूटोनियम और परमाणु हथियारों के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण पदार्थ का उत्पादन कर सकते हैं। अन्य चार विशेषज्ञों ने स्वीकार किया कि यह एक भारी जल रिएक्टर हो सकता है, लेकिन यह भी सुझाव दिया कि यह कार्य परमाणु हथियारों के संयोजन के लिए एक नई सुविधा से संबंधित हो सकता है। निर्माण अभी भी प्रारंभिक चरण में होने के कारण उन्होंने कोई निश्चित जानकारी देने से इनकार कर दिया। मिडिलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के जेम्स मार्टिन सेंटर फॉर नॉनप्रोलिफरेशन स्टडीज के विशेषज्ञ जेफरी लुईस ने कहा, "यह संभवतः एक रिएक्टर है - यह वर्तमान सबूतों को देखकर लगता है, लेकिन इनमें बदलाव भी हो सकता है। यह कल्पना करना बहुत मुश्किल है कि यह कुछ और है।"

टी20 एशिया कप 2022 में से भारत को इन 3 खिलाड़ियों की खल सकती है कमी, एक को कहते हैं स्विंग का सुल्तान

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप शुरू होने में अब एक हफ्ते से भी कम का समय रह गया है। भारतीय टीम अपना पहला मैच यूएई के खिलाफ दुबई में खेलेगा। इस बार एशिया कप में भारत की युवा टीम उतरने वाली है। अब हम आपको बताने जा रहे हैं उन 3 भारतीय खिलाड़ियों के बारे में जो 2022 में हुए टी20 एशिया कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन इस बार नहीं हैं। उनकी कमी भारत को खल सकती है। भारतीय टीम बतौर ओपनर और लीडर एशिया कप 2025 में रोहित शर्मा को जरूर मिस कर सकती है। रोहित तूफानी अंदाज में टीम को शुरुआत दिलाने के लिए जाने जाते हैं। रोहित ने टी20 एशिया कप में 9 मैच में 271 रन बनाए हैं।

आगामी एशिया कप में विराट कोहली को भी भारतीय टीम मिस कर सकती है। कोहली टी20 एशिया कप के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 10 मैचों में 429 रन बनाए हैं। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 2022 के टी20 एशिया कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे। लेकिन, इस बार वह स्क्वाड का हिस्सा नहीं हैं और उनको टीम इंडिया मिस कर सकती है। बता दें कि भुवनेश्वर कुमार टी20 एशिया कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 6 मैचों में 13 विकेट लिए हैं।

ब्रिटिश पुलिस ने रेप केस में पकड़ा... पाकिस्तानी क्रिकेटर के खिलाफ सबूत नहीं मिले तो छोड़ा

एजेंसी नई दिल्ली

पाकिस्तान के क्रिकेटर हैदर अली को बड़ी राहत मिली है। यूके पुलिस ने उनके खिलाफ लगे बलात्कार के आरोपों को खारिज कर दिया है। पुलिस को इस मामले में आगे बढ़ने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं मिला। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस और क्राउन प्रोसिक्यूशन सर्विस ने जांच बंद कर दी है। अब 24 साल के हैदर अली यात्रा कर सकते हैं।

उन पर एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी महिला ने मैनचेस्टर के एक होटल में बलात्कार करने का आरोप लगाया था। जिसके बाद उन्हें 4 अगस्त को हिरासत में लिया गया था।

पुलिस को कोई सबूत नहीं मिलने पर उन्हें छोड़ दिया गया। महिला ने पुलिस को बताया था कि वह हैदर अली से पहली बार 23 जुलाई को मैनचेस्टर में मिली थी। महिला के अनुसार यहीं पर यह घटना हुई। इसके बाद वह 1 अगस्त को फिर अली से मिली। 5 अगस्त को पुलिस में बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई गई। जांच के दौरान हैदर अली अपनी बात पर कायम रहे। उन्होंने कहा कि वह महिला को जानते हैं लेकिन बलात्कार के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि वह महिला को अपनी दोस्त मानते थे।

आरोपों के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने हैदर अली के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। पीसीबी ने जांच पूरी होने तक उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। हैदर अली पाकिस्तान शाहीन टीम का हिस्सा थे। यह टीम 22 जुलाई से इंग्लैंड के 15 दिन के दौरे पर थी।

हैदर अली ने पाकिस्तान के लिए 2 वनडे और 35 टी20आई मैच खेले हैं। लेकिन अक्टूबर 2023 में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान की टी20आई टीम में कुछ बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में हैदर अली टीम में वापसी करने की कोशिश करेंगे। हैदर अली के लिए यह खबर राहत देने वाली है। अब वह बिना किसी परेशानी के क्रिकेट पर ध्यान दे पाएंगे। पीसीबी ने भी उनका समर्थन किया और उन्हें कानूनी सहायता दी। अब देखना यह है कि हैदर अली फिर से पाकिस्तान टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं।

जॉन सीना और ब्रॉक लेसनर का इस बड़े इवेंट में जल्द होगा महामुकाबला

एजेंसी नई दिल्ली

WWE के महान सुपरस्टार जॉन सीना ने हाल ही में क्लैश इन पेरिस में लोगन पॉल को हराया। अब सभी की निगाहें अगले बड़े इवेंट, रेसलपालूजा पर हैं। 17 बार के वर्ल्ड चैंपियन जॉन सीना अपने रिटायरमेंट टूर पर हैं, जिसमें अब केवल चार महीने बचे हैं। इस वजह से उनका हर मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। फैंस चाहते हैं कि वह लोगन पॉल जैसे नए सितारों के बजाय अपने पुराने और बड़े प्रतिद्वंद्वियों का सामना करें। हाल ही में हुए समरस्लैम में ब्रॉक लेसनर की अचानक वापसी के बाद, फैंस को उम्मीद है कि ये दोनों कट्टर दुश्मन एक बार फिर रिंग में आमने-सामने होंगे। फैंस को लगा था कि क्लैश इन पेरिस में ही जॉन सीना का मुकाबला ब्रॉक लेसनर से हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। ऐसे में आइए जानते हैं कि रेसलपालूजा में ब्रॉक लेसनर और जॉन सीना के बीच मुकाबला क्यों हो सकता है। जॉन सीना और लोगन पॉल के बीच पेरिस में हुए मुकाबले से पहले कहानी को आगे बढ़ाने के लिए कुछ इन-रिंग बातचीत हुई। पॉल ने बार-बार दावा किया कि WWE को उनकी जरूरत है और उन्होंने खुद को रिंग में आने वाली सबसे अच्छी चीज बताया। इस पर सीना ने जवाब दिया कि वह जल्द ही रिटायर होने वाले हैं, इसलिए उनके शब्दों का महत्व ज्यादा है। सीना ने WWE के जनरल मैनेजर निक एल्डिस से भी बात करने की कोशिश की। एल्डिस ने बताया कि समरस्लैम के बाद लेसनर ने उनसे संपर्क किया था। इससे पहले कि वे और बात कर पाते, पॉल ने सीना पर हमला कर दिया। यह इस बात का स्पष्ट संकेत था कि ब्रॉक लेसनर अभी भी आसपास हैं।

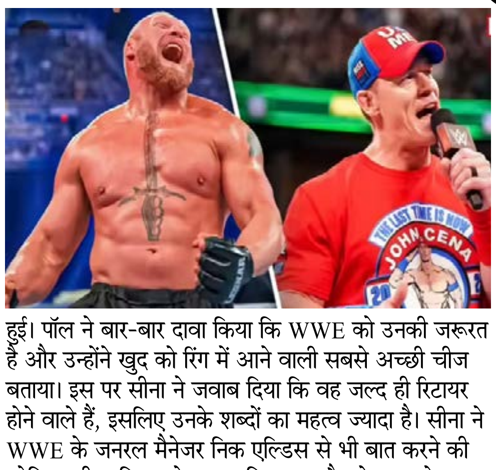

WWE ने ESPN के साथ एक बड़ी डील की है, जिसके तहत सारे PLE अब उसी पर दिखाए जाएंगे। इसी डील के बाद इंडियानापोलिस में 20 सितंबर को होने वाले रेसलपालूजा इवेंट की घोषणा हुई। खबर है कि जॉन सीना इस शो के मेन इवेंट में होंगे। अगर सीना को मेन इवेंट में बुक किया जाता है, तो उनका मुकाबला किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी से ही होना चाहिए। ऐसे में इस वक्त जॉन सीना की सबसे बड़ी दुश्मनी ब्रॉक लेसनर से है। जॉन सीना का रिटायरमेंट टूर बहुत जल्द खत्म होने वाला है। अगर उन्होंने इसे आगे नहीं बढ़ाया, तो फैंस उन्हें केवल चार महीने तक ही रेसलिंग करते देख पाएंगे। साल के अंत से पहले कुछ ही बड़े शो बचे हैं, जिनमें रेसलपालूजा, क्राउन ज्वेल पर्थ और सर्वाइवर सीरीजः वॉरगेम्स शामिल हैं। लेसनर के साथ उनके मुकाबले को सर्वाइवर सीरीज तक खींचना मुश्किल होगा। इसलिए, जब समरस्लैम की यादें ताजा हैं, तब इसे बुक करना सबसे अच्छा होगा।

जो खिलाड़ी गौतम गंभीर के प्लान में नहीं, वही असली तुरुप का इक्का... इंग्लैंड दौरे पर 5 मैच बैठाकर रखा

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी हैं। भारतीय क्रिकेट टीम एक महीने बाद फिर से मैदान में उतरेगी। इस हाईफाई टूर्नामेंट के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया है और शुभमन गिल उनका साथ बतौर वाइस कैप्टन देने वाले हैं। शुभमन गिल अब पूरी तरह से ठीक हो गए हैं। हालांकि इन दोनों खिलाड़ियों के ऊपर हर मैच में एक अच्छी प्लेइंग 11 चुनने की जिम्मेदारी होगी। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर मदन लाल ने सूर्यकुमार यादव को सलाह दी है। 1983 में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य और पूर्व कोच मदन लाल चाहते हैं कि कुलदीप यादव भारत की प्लेइंग 11 में शामिल हों। पिछले साल भारत ने टी20आई में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम इंडिया ने 26 में से 22 मैच जीते थे। टी20 वर्ल्ड कप 10 साल बाद भारत में हो रहा है। इसलिए भारत से ट्रॉफी जीतने की उम्मीद है। भारत के लिए पाकिस्तान और श्रीलंका बड़ी चुनौती होंगे। अफगानिस्तान और बांग्लादेश भी उलटफेर कर सकते हैं लेकिन भारतीय टीम बहुत मजबूत है। कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में एक भी मैच नहीं खेला था। मदन लाल चाहते हैं कि सूर्या की कप्तानी में भारत कुलदीप को मौका दे जो गिल की कप्तानी में नहीं मिला। मदन लाल ने एएनआई को बताया, 'कुलदीप यादव को टीम में शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि उनकी गेंदबाजी का अंदाज अनोखा है। टी20 क्रिकेट में उनका सामना करना मुश्किल है। हालांकि अंतिम फैसला विकेट की स्थिति और टीम संयोजन पर निर्भर करता है। दुबई में दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाज होने चाहिए।' जब पिछले महीने एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा हुई तो श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल करने पर कई लोगों ने सवाल उठाए। मदन लाल भी उनमें से एक थे। उन्हें लगता है कि यह एक विवादास्पद फैसला था। मदन लाल ने कहा, 'टीम संयोजन को लेकर विवाद है खासकर श्रेयस अय्यर को बाहर करने को लेकर। चयन अक्सर चयनकर्ताओं और कोचों द्वारा तय किए जाते हैं।' पूर्व भारतीय ऑलराउंडर मदन लाल ने सूर्यकुमार यादव को कुछ सलाह दी है।

व्यापार

इलाज कराना होगा सस्ता, जीएसटी फ्री हुआ हेल्थ इंश्योरेंस, कई दवाओं पर भी मिली राहत

एजेंसी नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल की बैठक के पहले दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई घोषणाएं की। 12 और 18 फीसदी के स्लैब खत्म कर दिए गए हैं। वहीं कई चीजों पर जीएसटी कम कर दिया गया है। वहीं अब व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा के प्रीमियम पर जीएसटी नहीं लगेगा। पहले इस पर 18% जीएसटी लगता था। इस इंश्योरेंस जीएसटी फ्री होने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। वहीं कई तरह की दवाइयां और मेडिकल उपकरण पर लगने वाले जीएसटी में भी राहत दी गई है। पहले दिन 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद सीतारमण ने कहा कि बीमा सेवाओं पर जो अभी 18% जीएसटी है, उसे दो-तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाएगा। सभी व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों, चाहे वह टर्म लाइफ हो, ULIP हो या एंडोमेंट पॉलिसी, और उनके पुनर्बीमा पर जीएसटी नहीं लगेगा। इससे आम आदमी के लिए बीमा खरीदना आसान होगा और देश में बीमा का दायरा बढ़ेगा। दूध-पनीर पर जीरो टैक्स...

सिगरेट-शराब के शौकीनों को बड़ा झटका, क्या हुआ सस्ता और महंगा, पूरी लिस्ट

इन पर भी नहीं लगेगा जीएसटी वित्त मंत्री ने कहा कि सभी पर्सनल हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी, जिनमें फैमिली फ्लोटर पॉलिसी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पॉलिसी शामिल हैं, और उनके पुनर्बीमा पर भी जीएसटी नहीं लगेगा। इससे आम आदमी के लिए बीमा सस्ता होगा और देश में बीमा का कवरेज बढ़ेगा। केंद्र सरकार ने 33 जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी जीरो कर दिया है। पहले इन पर जीएसटी की दर 12 फीसदी थी। इन दवाओं में एस्किमिनिब, मेपोलिज़ुमाब, पेगीलेटेड लिपोसोमल इरिनोटेकन, डाराटुमुमाब, एगल्सिडेस अल्फा, एलिरोक्यूमैब, एवोलोकुमाब आदि शामिल हैं। इनमें कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी शामिल हैं। वहीं कई दवाओं पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा, थर्मामीटर, मेडिकल ऑक्सीजन, डायग्नोस्टिक किट, ग्लूकोमीटर, टेस्ट स्ट्रिप्स और चश्मों पर जीएसटी दर को घटाकर 5% कर दिया गया है। इन पर पहले 12 से 18 फीसदी जीएसटी लगता था।

एक ही पॉलिसी में लाइफ, हेल्थ और प्रॉपर्टी इंश्योरेंस! दिसंबर तक लॉन्च होगा बीमा विस्तार

एजेंसी नई दिल्ली

बीमा विस्तार योजना दिसंबर तक लॉन्च हो सकती है। बीमा विस्तार इंश्योरेंस रेगुलेटर IRDAI द्वारा शुरू किया गया एक 'ऑल-इन-वन' इंश्योरेंस प्रोडक्ट है। इसका मकसद ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा की पहुंच बढ़ाना और एक मजबूत सोशल सिक्योरिटी नेटवर्क प्रदान करना है। यह एक ही पॉलिसी में लाइफ, हेल्थ, पर्सनल एक्सीडेंट कवर और प्रॉपर्टी इंश्योरेंस को इंटीग्रेट करता है। इससे यह एक कंप्रेहेंसिव और सस्ता इंश्योरेंस सॉल्यूशन बनता है। इसका लक्ष्य 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को प्राप्त करना है। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल ने बुधवार को कहा कि ग्रामीण भारत के लिए जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति का एक समग्र बीमा उत्पाद 'बीमा विस्तार' दिसंबर, 2025 तक पेश किया जा सकता है। बीमा उद्योग संगठन की बीमा जागरूकता समिति (आईएसी-लाइव) के चेयरमैन कमलेश राव ने बताया कि यह बीमा खासतौर पर ग्रामीण भारत के लिए तैयार किया गया है और इसे सभी बीमा कंपनियां एक समान प्रीमियम दर पर बेचेंगी। इस योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 5 लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा। LIC के 68 सालः अंग्रेजों ने की थी बीमा की शुरुआत, भारतीयों का नहीं करते थे इंश्योरेंस, जानें एलआईसी ने कैसे किया बदलावकाउंसिल में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सहित सभी 26 जीवन बीमा कंपनियां सदस्य हैं। राव ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए यह बीमा पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत में बीमा की पहुंच कम है। बीमा विस्तार योजना शुरू की जाएगी, जिसका लक्ष्य ग्रामीण भारत में बीमा की पहुंच बढ़ाना है।

दो दिवसीय जीएसटी परिषद की बैठक आज से शुरू

एजेंसी नई दिल्ली

करदाताओं को राहत देने के उद्देश्य से 56 वीं जीएसटी परिषद की दो-दिवसीय बैठक की शुरुआत बुधवार को नई दिल्ली में सुबह 11 बजे होगी। इस बैठक में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के ढांचे को दो स्तरीय टैक्स स्लैब में बदलने पर विचार किया जाएगा। माना जा रहा है इससे करीब 150 से अधिक प्रोडक्ट्स पर जीएसटी की दरों में कमी आ सकती है। इस बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा की जाएगी और इसमें सभी राज्यों के प्रतिनिधि मौजूदा होंगे। वित्त मंत्री सीतारमण के मुताबिक, अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार एक खुली और पारदर्शी अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे, साथ ही छोटे व्यवसायों पर कर अनुपालन के बोझ को कम करेंगे। परिषद उत्पादों को मौजूदा 12 और 28 प्रतिशत की दर से हटाकर कम दरों वाली श्रेणियों 5 और 18 प्रतिशत की दो कर दरों में लाने पर चर्चा करेगी। बैठक में कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष कर दर लगाने का प्रस्ताव रखा जा सकता है। विभिन्न वस्तुओं को 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की जीएसटी दर से हटाकर 5 प्रतिशत या यहां तक कि शून्य जीएसटी श्रेणी में लाने के प्रस्तावों का उद्देश्य परिवारों पर कर का बोझ कम करना और खर्च को बढ़ावा देना है। कई रिपोर्टों के अनुसार, इस बैठक में सामान्य रूप से खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों जैसे खुला पनीर, खाखरा, पिज्जा ब्रेड, चपाती और रोटी आदि को शून्य जीएसटी श्रेणी में शामिल किया जा सकता है, जिन पर वर्तमान में 5 प्रतिशत से 18 प्रतिशत की जीएसटी दरें लागू हैं। पराठा जैसे रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थ, जिन पर वर्तमान में 18 प्रतिशत कर लगता है, को भी जीएसटी छूट देने पर विचार किया जा रहा है। मक्खन, गाढ़ा दूध, जैम, मेवे, नमकीन, मशरूम और खजूर जैसी वस्तुओं पर कर की दर 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो सकती है। केंद्र ने विभिन्न मिठाइयों, लोकप्रिय पैकेज्ड स्नैक्स, नाश्ते और मिठाइयों पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया है। इन वस्तुओं में कथित तौर पर कोको चॉकलेट, पेस्ट्री, आइसक्रीम और सुबह खाए जाने वाले नाश्ते जैसे अनाज के फ्लेक्स शामिल हैं, जिनका उपयोग मुख्य रूप से शहरी उपभोक्ता और युवा वर्ग करते हैं।

7 सितंबर को चंद्र ग्रहण किस समय और कब होगा चरम पर, सूतक काल समेत 5 खास बातें

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण देश में नजर आने के कारण काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानें यह ग्रहण भारत में किस समय प्रारंभ होगा और कब समाप्त होगा, सूतक काल समेत अन्य खास बातें। हिंदू धर्म में चंद्र ग्रहण बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। यह एक खगोलीय घटना है, जिसका धार्मिक महत्व भी अधिक है। भाद्रपद पूर्णिमा 7 सितंबर को साल का दूसरा व आखिरी चंद्र ग्रहण लगेगा। इसे ब्लड मून कहा जा रहा है क्योंकि इस समय चंद्रमा लाल रंग में नजर आएगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में पूर्ण रूप से नजर आएगा। भारत में दिखने के कारण इसका सूतक काल भी मान्य होगा। सूतक काल के समय मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और धार्मिक आयोजनों की मनाही होती है। जानें साल के दूसरे चंद्र ग्रहण का समय क्या रहने वाला है, किस समय चरम पर होगा और सूतक काल समेत 5 खास बातें।

1. 7 सितंबर को चंद्र ग्रहण कितने बजे से कितने बजे तक रहेगाः भाद्रपद पूर्णिमा के दिन 7 सितंबर को चंद्र ग्रहण शुरू होगा और 8 सितंबर की आधी रात को खत्म होगा। इस समय 7 सितंबर को रात 09 बजकर 57 मिनट से लेकर 8 सितंबर की मध्य रात्रि 01 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 03 घंटे 29 मिनट की है।

2. चंद्र ग्रहण किस समय अपने चरम पर होगाः वैदिक पंचांग के अनुसार, यह चंद्र ग्रहण रात 11 बजे से देर रात 12 बजकर 22 मिनट तक अपने चरम पर होगा।

3. चंद्र ग्रहण का सूतक काल कब शुरू होगाः चंद्र ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर शुरू होगा। सूतक काल ग्रहण समाप्त होने के साथ ही खत्म होता है।

4. चंद्र ग्रहण के समय क्या करना चाहिएः धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चंद्र ग्रहण के समय भोजन नहीं बनाना चाहिए और न ही खाना चाहिए। इस समय किसी भी धार वाली वस्तु जैसे सुई, कैंची व चाकू आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ग्रहण के समय पूजा-पाठ की मनाही होती है।

5. चंद्र ग्रहण भारत में कहां-कहां नजर आएगाः चंद्र ग्रहण भारत के अलावा दुनिया के कई हिस्सों में नजर आएगा। भारत में यह ग्रहण दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पुणे, लखनऊ, हैदराबाद व चंडीगढ़ में देखा जा सकेगा। इसके अलावा यह ग्रहण ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका कुछ स्थानों, न्यूजीलैंड, फिजी द्वीप समहू और अंटार्कटिका के कुछ भागों में नजर आएगा।

डिस्क्लेमरः इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

Love Horoscope 4 September : मेष से लेकर मीन राशि वालों के लिए कैसा रहेगा आज का दिन? पढ़ें विस्तृत राशिफल

Love Rashifal Aaj ka : वैदिक ज्योतिष शास्त्र में 12 राशियों का जिक्र किया गया है। हर राशि की लव लाइफ, करियर और स्वभाव अलग होता है। राशियों के जरिए ही व्यक्ति के प्यार और रिश्तों का आंकलन किया जाता है। आइए जानते हैं, 4 सितंबर का दिन आपके लिए कैसा रहेगा.

Love Horoscope Rashifal Today : वैदिक ज्योतिष शास्त्र में 12 राशियों का जिक्र किया गया है। हर राशि की लव लाइफ, करियर और स्वभाव अलग होता है। राशियों के जरिए ही व्यक्ति के प्यार और रिश्तों का आंकलन किया जाता है। जानिए आज 4 सितंबर को किन राशि वालों के लव लाइफ में आएंगे उतार-चढ़ाव और किनका दिन रहेगा शानदार। पढ़ें मेष से लेकर मीन राशि तक का हाल

मेष राशि- आज आपको जीवन में बैलेंस की जरुरत है। कोई ऐसा इंसान मिल सकता है जो आपको नई सोच पर ले जाए। किसी भी रिश्ते में जल्दी फैसला लेने की जगह आराम से बातचीत करें। लव लाइफ में छोटे-छोटे समझौते जरूरी हैं। प्रेमी के साथ मिलकर बातों को सुलझाएं।

वृषभ राशि- आज प्रेमी के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे। प्रेमी के साथ हल्की-फुल्की बातें और मजाक रिश्तों में चार चांद लगा सकते हैं। समय व्यतीत करने से आपका रिश्ता मजबूत होगा। प्रेमी से मुलाकात करते रहने से रिश्ता मजबूत होगा।

कर्क राशि- अगर सिंगल हैं, तो हिम्मत करके आज अपने दिल की बात कहें। सीधे-सीधे शब्द आज बहुत मायने रखेंगे। रिलेशनशिप में हैं, तो सच बोलें। सच बोलने से रिश्ता मजबूत होगा। भरोसा किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाता है।

सिंह राशि- आज प्रेमी के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करें। छोटे-छोटे इशारों में बड़ा असर होगा। कोई छोटी सी तारीफ या देखभाल से आप महसूस कर पाएंगे कि दिल का क्या असर है। आज शब्दों से ज्यादा आपके काम और निगाहें ज्यादा बताएंगी।

कन्या राशि- आज ज्यादा सोचना छोड़िए और किसी नए रिश्ते को आजमाइए। ध्यान देने और समझ दिखाने से प्यार अपने आप टिक जाएगा। आज प्रेमी के साथ व्यतीत करें।

तुला राशि- आज एनर्जी आपके रिश्तों में नया रंग भर सकती है। हल्की-फुल्की बातों से जो कनेक्शन बने, वहीं आज महत्वपूर्ण होगा।

वृश्चिक राशि- अगर सिंगल हैं, तो आप आज किसी को प्रभावित कर सकते हैं। रिलेशनशिप में हो तो हिम्मत और समर्थन रिश्ते को मजबूत बनाएगा।

धनु राशि- कोई छोटा सा इशारा- एक मुस्कान, मैसेज या हल्की बात आज आपके प्रेम जीवन में बड़े बदलाव ला सकती है। पार्टनर हो तो उनका छोटा ध्यान आपका दिन बना सकता है।

मकर राशि- सिंगल लोग आज किसी खास से मुलाकात कर सकते हैं। आज आपको कोई ऐसा इंसान मिल सकता है जो आपकी सीधाई और स्थिरता को पसंद करे। रिलेशनशिप में हो तो छोटे-छोटे आदर के इशारों से रिश्ता और मजबूत होगा।

कुंभ राशि- आज के दिन पुरानी बातें पीछे छोड़ दीजिए और नए रिश्तों के लिए रास्ता बनाइए। कपल्स के लिए, खुलकर बात करने से पुराने तनाव दूर हो सकते हैं और दिन बेहतर रहेगा।

मीन राशि- आज प्रेमी की छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें। सिंगल हैं, तो ऐसे किसी से मिलिए जो समझदार हो और उससे कनेक्शन खुद-ब-खुद बंध जाए।

शारदीय नवरात्रि पर आगमन प्रस्थान हाथी पर होगा

शारदीय नवरात्रि का आरंभ होने जा रहा है। मां दुर्गा अपने भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए 22 सितंबर से आ रही हैं। मां दुर्गा के इन दिनों में जो भक्त सच्ची श्रद्धा के साथ मां की आराधना करते हैं मां दुर्गा उनकी झोली खुशियों से भर देती हैं। इस बार नवरात्रि पूरे दस दिन के होने जा रहे हैं। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन माता जिस वाहन से आती हैं उसके हिसाब से ही अगले एक का अनुमान लगाया जाता है वह कैसा रहने वाला है। तो आइए जानते हैं इस बार माता कौनसे वाहन से आएंगे और किस वाहन पर विराजमान होकर लौटेंगी।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण के अनुसार, देवी का आगमन और प्रस्थान नवरात्रि आरंभ और समापन होने के दिन के हिसाब से होता है। इस बार नवरात्रि का आरंभ 22 सितंबर सोमवार से हो रहा है और नवरात्रि का समापन विजयदशमी 2 अक्टूबर को होगा।

शशिसूर्ये गजारूढ़ा , शनिभौमे तुरंगमे ।
गुरुशुक्रे च दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता ।।
फलम् - गजे च जलदा देवी , छत्रभङ्ग तुरंगमे ।
नौकायां सर्व सिद्धिस्यात् दोलायां मरणं धुव्रम् ।।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण के इस श्लोक के अनुसार, जब रविवार और सोमवार के दिन माता का आगमन होता है तो माता का वाहन हाथी होता है। यानी इस बार 22 सितंबर को मां दुर्गा का आगमन हाथी से हो रहा है। जब माता हाथी से आती है तो इसे बेहद ही शुभ माना जाता है। माता के हाथी पर आगमन पर उस वर्ष वर्षा अच्छी होती है। कृषी में वृद्धि होती है दूध का उत्पादन बढ़ता है साथ ही देश में धन धान्य की बढ़ोतरी होती है। शनिवार और मंगलवार को माता का आगमन होता है तो वह घोड़ी से आती है ऐसे में सरकार को अपने पद से हटने पड़ सकता है। गुरुवार और शुक्रवार को जब माता का आगमन होता है तो वह खटोला पर होता है। ऐसे में प्रज्ञा में लड़ाई झगड़ा और किसी बड़ी दुर्घटना होने का संकेत मिलता है। बुधवार को जब माता का आगमन होता है तो देवी नौका पर आती है। ऐसा होने पर मां अपने भक्तों को हर प्रकार की सुख सुविधाएं देती हैं।

देवी का प्रस्थान और वाहन

शारदीय नवरात्रि का समापन विजयदशमी के दिन 2 अक्तूबर को होगा।

शशिसूर्यदिने यदि सा विजया, महिषा गमनेरूज शोककरा,
शनिभौमे यदि सा विजया चरणायुधयानकरी विकला ,
बुधशुक्रे यदि सा विजया गजवाहनगा शुभवृष्टिकरा ,
सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहनगा शुभसौख्यकरा ।।

श्रीमददेवी भागवत महापुराण के अनुसार, विजयदशमी जब रविवार और सोमवार की होती है तो मां दुर्गा का प्रस्थान भैंसे पर होता है। जो व्यक्ति को शोक देता है। जब विजयदशमी मंगलवार और शनिवार को होती है तो माता का वाहन मूर्गा होता है। ऐसे में लोगों को तबाही का सामना करना पड़ता है। वहीं,बुधवार और शुक्रवार को विजदशमी हो तो माता हाथी पर जाती है। हाथी पर माता का जाना शुभ माना जाता है। वहीं, गुरुवार को विजयदशमी हो तो माता का वाहन मनुष्य की सवारी होती है। इस बार 2 अक्तूबर 2025 गुरुवार के दिन विजयदशमी है ऐसे में माता के प्रस्थान का वाहन मनुष्य की सवारी होगा। ऐसे में लोगों को सुख शांति का आनुभव होगा। समय बहुत ही भाग्यशाली रहेगा।

आर्थिक राशिफल : मेष, मिथुन और मकर राशि के लिए आज दिन लाभदायक, जानें किस राशि पर कैसा रहेगा प्रभाव

मेष राशि के कर्मभाव में आज चंद्रमा का गोचर इनके लिए करियर के लिहाज से बहुत ही अच्छा रहेगा। आपको आज पद प्रतिष्ठा का लाभ और सम्मान मिल सकता है। लेकिन आपको आज संयम से काम लेना होगा, किसी बात को लेकर चिड़चिड़ापन हो सकता है। वैसे आज मातृ पक्ष से धन प्राप्ति के योग भी बने हैं। आज संतान के भविष्य को लेकर चिंता कम होगी। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। कोई नया काम करना चाहते हैं तो उसमें आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

वृषभ राशि से आज चंद्रमा का गोचर भाग्य भाव में हो रहा है ऐसे में आज का दिन वृषभ राशि के लिए घर परिवार के मामले में सुख शांतिदायक होगा। परिवार में कोई मांगलिक कार्यक्रम का संयोग बन सकता है। आज आपको किसी बुजुर्ग व्यक्ति से सहयोग और लाभ मिल सकता है। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो आपके प्रयास सफल हो सकते हैं। शाम का समय आप दोस्तों के साथ मनोरंजक बिताएंगे।

मिथुन राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज बच्चों की ओर से प्रसन्नता होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बेहतर होगी। नौकरी और व्यापार में आपको अपने साझेदारों और सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आज आपको अपने काम पर ध्यान देना होगा और आलस्य त्यागकर सक्रियता से कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ना होगा। विरोधियों से आपको आज सतर्क रहना होगा। आपके लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज छोटे भाई बहनों से भी सहयोग मिलेगा। मनपसंद भोजन का आप आज आनंद लेंगे।

कर्क राशि के लिए आज का दिन लाभदायक होगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज अपने काम के प्रति सजग रहना होगा और किसी अचानक आने वाली स्थिति से कारण आपको आज यात्रा भी करनी पड़ सकती है। आपके लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज संतान की ओर से सुख और खुशी मिलेगी। आपको आज दोस्तों और सगे-संबंधियों से भी मदद मिलने का संयोग बना हुआ है। आप अपने लिए आज कुछ खरीदारी कर सकते हैं। कोई अधूरी इच्छा आज आपकी पूरी होगी। आर्थिक मामलों में दिन कुल मिलाकर सामान्य रहेगा।

सिंह राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा। आपको पेट से संबंधित कुछ समस्या होने की आशंका है। वैसे आज घर परिवार के मामले में दिन अनुकूल रहेगा। आपको आज किसी ऐसे व्यक्ति की मदद मिल सकती है जिससे आपको मदद की उम्मीद नहीं होगी। जो लोग

किसी कोर्स में दाखिले के लिए प्रयास कर रहे है आज उनको सफलता मिलने का योग बना है। आपके सितारे कहते हैं कि आज खर्च के साथ कमाई का भी संयोग बना रहेगा जिससे आपका बजट संतुलित रहेगा। दोस्तों की मदद से आपको फायदा होगा।

कन्या राशि के लोगों के लिए आज गुरुवार का दिन कुल मिलाकर अनुकूल कहा जा सकता है। आपको कामकाज में आज अधिक मेहनत करनी होगी लेकिन इसका आपको शुभ परिणाम भी प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जो लोग शिक्षण और रचनात्मक काम से जुड़े हुए हैं आज उनकी कमाई में वृद्धि होगी। आपको क्रोध से बचना होगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। जो लोग घर या नौकरी बदलने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको आज इस मामले में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा।

तुला राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज कुछ उलझन और तनाव का सामना करना होगा। किसी करीबी की नाराजगी आपको मन ही मन परेशान कर सकता है। आपको कोई काम आज अपनी इच्छा इच्छा के विरुद्ध जाकर काम करना होगा। आज आपको अपने अनियोजित खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। यदि आप नौकरी करते हैं, तो अधिकारियों से तालमेल बनाकर रखना होगा। आपके मन आज कुछ नया काम शुरू करने का विचार आ सकता है। छात्र आज शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

वृश्चिक राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज कुछ नया और रचनात्मक काम करने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपको सहकर्मियों और सहयोगियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आपका कोई महत्वपूर्ण काम आज पूरा हो जाने से आपका मनोबल आज बढेगा। आज किसी वरिष्ठ व्यक्ति की मदद से अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपको आज धन का निवेश बहुत ही सोच समझकर करना होगा नहीं तो पैसा अटक सकता है। खासतौर पर प्रॉपर्टी में निवेश करते हुए आपको आज सतर्क रहने की जरूरत है। संतान पक्ष से आपको खुशी मिलेगी और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु राशि के लोगों के लिए आज गुरुवार का दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी व्यस्तता आज बनी रहेगी। आपको आज कामकाज के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। सेहत के मामले में भी आज आपको अपना ध्यान रखना होगा। आपकी कोई पुरानी स्वास्थ्य संबंधी समस्या आज दूर हो सकती है। आपको आज किसी मित्र से सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से आपको सहयोग मिलेगा। जो जातक प्रॉपर्टी से संबंधित काम करते हैं आज उनको अच्छी डील मिल सकती है। आप आज शाम का समय परिवार के साथ मौज मनोरंजन में बिताएंगे। रुचिकर खानपान का भी आयोजन होगा।

मकर राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज कार्यक्षेत्र में लाभ और उन्नति का मौका मिलेगा। आपकी राशि में चंद्रमा का गोचर आज वसुमान योग का निर्माण करेगा जिससे आपकी कमाई में वृद्धि होगी साथ ही आज आपकी प्रतिष्ठा और यश में भी वृद्धि होगी। आपके विरोधी आज शांत रहेंगे। आपको हर जगह और हर काम में सफलता मिलेगी। अगर आप लंबे समय से कोई काम करने की योजना बना रहे हैं तो उसे शुरू करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। लव लाइफ में आप प्रेमी के साथ रोमांटिक समय बिता पाएंगे।

कुंभ राशि के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। आपको आज नौकरी में अपने काम के प्रति सजग रहना होगा, दिन के दूसरे भाग में कुछ परिस्थिति ऐसी बन सकती है जिससे आपका काम उलझ सकता है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज दूर रहने वाले संबंधियों से अच्छी खबर मिलेगी। वैवाहिक जीवन मे आज आपके प्रेम बना रहेगा लेकिन आज किसी बात को लेकर आपके बीच कुछ मतभेद भी हो सकता है। आपको किसी धार्मिक और सामाजिक काम में भाग लेने का मौका मिलेगा। सितारे बताते हैं कि आज आपको लव लाइफ में प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन सुखद और अनुकूल रहेगा। आपको आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपके सितारे कहते हैं कि आज आप परिवार से सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। कोई जरूरी काम आपका परिजनों के सहयोग से पूरा होगा। कमाई और धन संपत्ति में आज वृद्धि का योग बना हुआ है। राजनीतिक और सामाजिक संपर्क का आपको आज लाभ मिलेगा। सितारे कहते हैं कि आज आपको निवेश का भी पूरा लाभ मिलेगा। आध्यात्मिक विषयों मे आज आपकी रुचि बढेगी। आप आज मनपसंद भोजन का आनंद ले पाएंगे।

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के लिए कुछ घंटे का शुभ मुहूर्त

अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन करने के साथ ही गणेश उत्सव का समापन हो जाता है। इस दिन सभी लोग जो अपने घर में गणेशजी की स्थापना करते हैं वह गणेश विसर्जन के साथ ही बप्पा को विदा कर देते हैं। गणेश चतुर्थी से आरंभ होकर अनंत चतुर्दशी पर गणेश उत्सव का समापन हो जाता है। इस बार अनंत चतुर्दशी 6 सितंबर 2025 शनिवार को है। अनंत चतुर्दशी पर गणपति बप्पा की विधि विधान के साथ पूजा करने के साथ ही बप्पा को विदा किया जाता है। आइए जानते हैं अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन करने का शुभ मुहूर्त और विसर्जन की विधि। धार्मिक मान्यता है कि गणेशजी का विसर्जन के साथ ही भक्तों पर सालभर गणेशजी का आशीर्वाद बना रहता है। गणेशजी की कृपा से भक्तों पर सुख समृद्धि बनी रहती है। लेकिन, बप्पा का विसर्जन भी शुभ मुहूर्त में ही करना उत्तम रहता है।

अनंत चतुर्दशी 2025 गणेश विसर्जन का शुभ मुहूर्त

शुभ चौघड़िया सुबह में 7 बजकर 26 मिनट से 9 बजकर 10 मिनट तक।

लाभ चौघड़िया दोपहर में 1 बजकर 54 मिनट से 3 बजकर 28 मिनट तक।

अमृत चौघड़िया दोपहर में 3 बजकर 28 मिनट से 5 बजकर 3 मिनट तक।

शाम के समय लाभ चौघड़िया 6 बजकर 37 मिनट से 8 बजकर 3 मिनट तक।

शाम के समय शुभ चौघड़िया 9 बजकर 29 मिनट से 10 बजकर 55 मिनट तक।

अमृत काल दोपहर में 12 बजकर 50 मिनट से 2 बजकर 23 मिनट तक।

गोधूलि मुहूर्त शाम में 6 बजकर 37 मिनट से शाम में 7 बजे तक।

अनंत चतुर्दशी गणेश विसर्जन की विधि

जिस दिन गणेशजी का विसर्जन करें उस दिन विधिवत पूजा करने के बाद ही हवन करें।

इसके बाद एक लकड़ी की चौकी लें उसपर स्वास्तिक बनाकर अक्षत रखें उसके बाद ऊपर से गुलाबी रंग का कपड़ा बिछाएं। कपड़े के चारों तरफ सुपारी रखें। फिर जयकारे लगाते हुए गणेशजी की प्रतिमा इस चौकी पर स्थापित कर दें।

इसके बाद गणेश जी की फिर से आरती करें और उन्हें भोग लगाएं। उनके सामने फल और मोदक रखें। गणेश जी को नए वस्त्र पहनाएं।

एक रेशमी वस्त्र लेकर उसमें थोड़े फूल, मोदक, सुपारी और फल रखकर गणेशजी के पास ही रख दें।

इसके बाद दोनों हाथ जोड़कर गणपति जी से प्रार्थना करें।

फिर पूजा पाठ में हुई गलती के लिए गणेशजी से क्षमा मांगे।

फिर गणेश जी के दाहिने कान में अपनी मनोकामना बोले और जयकारे लगाते हुए उन्हें विसर्जन वाले स्थान पर लेकर जाएं।

विसर्जन के दौरान गणेशजी की कपूर से आरती करें। फिर उनका विसर्जन कर दें। जिस चौकी पर आप उन्हें लेकर जाएं उस चौकी को वापस घर लाकर संभालकर रख दें।

सेवा भाव के रूप में मनाया प्रदेशध्यक्ष का जन्म दिवस

दुनिया में मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरी सेवा नहीं हो सकती - राजपूत

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरी सेवा नहीं है यदि कोई बेसहारा और सुविधा विहीन व्यक्ति है तो उसकी सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य और सबसे बड़ी सेवा होगी या बाद भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त सारनी मंडल अध्यक्ष गोलू राजपूत ने बाबा मठारदेव वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों को भोजन देते वक्त व्यक्त करने का काम किया है,
यह कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हर छोटे बड़े कार्यकर्ता और पदाधिकारी को एक साथ लेकर चलने का हर संभव प्रयत्न करूंगा उन्होंने यह कहा कि में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के आशीर्वाद से सारनी मंडल अध्यक्ष बना मुझे अपना छोटा भाई पुत्र समझकर यदि मुझे कोई गलती हो तो उसे क्षमा करने का कार्य करना। मैं हर संभव प्रयत्न करूंगा कि पार्टी के रीति-नीति के अनुरूप एक झंडे के नीचे आकर जनहित का कार्य संयुक्त रूप से पूरा किया जा सके।वृद्ध आश्रम में रहने वाले बुजुर्ग महिला पुरुषों को भोजन करवाने के उपरांत श्री श्री 1008 बाबा मठारदेव तलहटी मंदिर स्थल पर सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे। तलहटी मंदिर पर क्षेत्र के प्रथम नागरिक किशोर बरदे ने उपस्थित कार्यकर्ता पदाधिकारी को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व ने पहली बार बैतूल जिले से हम सभी के नेता हेमंत खंडेलवाल जी को प्रदेश नेतृत्व का दायित्व दिया है,और आज हमारे नेता हेमंत खंडेलवाल जी का जन्म दिवस मंडल सारणी में हम सभी कार्यकर्ता एक साथ मिलकर सेवा दिवस के रूप में मना रहे हैं। मैं बाबा मठारदेव एवम् भगवान श्री गणेश से प्रार्थना करता हूं कि हमारे प्रदेशध्यक्ष दीर्घायु हो।
इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भीम बहादुर थापा,शिबू सिंह,योगेश बर्डे,प्रवीण सोनी, ददन सिंह राणा,मुकेश यादव, प्रकाश डेहरिया,सुनील मोखड़े,विनय मदने,रमेश पवार,राजू साहू,प्रमोद सिंह नोखेलाल,मिंटू राय,दिनेश यादव,राकेश बारंगे,विजू वानखेड़े,लक्ष्मीकांत पांडे, नीरज नागले,महेंद्र सराटकर, राजू देशमुख,अजय साकरे,गुमान सिंह,राजा राठौर,धर्मेंद्र राय,विलास चौधरी,मनोहर विश्वकर्मा, राजकुमार नागले,राहुल कापसे,अमर राणा,विन्नी राय निलेश राजवंशी,नारायण खातरकर ,पी.जे शर्मा,जी पी सिंह,जगदीश आहूजा, नागेंद्र निगम समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैतूल में मोबाइल पार्सल चोर गिरफ्तार, बस स्टैंड से पकड़ा गया आरोपी

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल कोतवाली पुलिस ने मोबाइल पार्सल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मंगेश परतेती के रूप में हुई है। वह मारुढ, थाना पांरतुना का रहने वाला है।मामला 31 अगस्त का है, जब भोपाल निवासी सरल जैन ने 14 पुराने रिपेयर मोबाइल का पार्सल शाहपुर निवासी अभिषेक सोलंकी को भेजा था। अभिषेक पार्सल लेने नहीं आया, तो फरियादी रेहमान खान पार्सल बैतूल ले आया। 1 सितंबर को सुबह 10 बजे जब वह बस पर पहुंचा तो पार्सल गायब था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को बस स्टैंड से पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी की बात स्वीकार की। पुलिस ने उसके पास से 7 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में निरीक्षक रविकांत डेहरिया, उप निरीक्षक पंचम सिंह, प्रधान आरक्षक दिनेश निमोदा और आरक्षक नितिन चौहान की टीम शामिल थी। एसपी निश्चल झारिया ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर अपने सामान का ध्यान रखें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सेवा भाव के रूप में मनाया प्रदेशध्यक्ष का जन्म दिवस

दुनिया में मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरी सेवा नहीं हो सकती - राजपूत

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरी सेवा नहीं है यदि कोई बेसहारा और सुविधा विहीन व्यक्ति है तो उसकी सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य और सबसे बड़ी सेवा होगी या बाद भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त सारनी मंडल अध्यक्ष गोलू राजपूत ने बाबा मठारदेव वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों को भोजन देते वक्त व्यक्त करने का काम किया है,
यह कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के हर छोटे बड़े कार्यकर्ता और पदाधिकारी को एक साथ लेकर चलने का हर संभव प्रयत्न करूंगा उन्होंने यह कहा कि में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के आशीर्वाद से सारनी मंडल अध्यक्ष बना मुझे अपना छोटा भाई पुत्र समझकर यदि मुझे कोई गलती हो तो उसे क्षमा करने का कार्य करना। मैं हर संभव प्रयत्न करूंगा कि पार्टी के रीति-नीति के अनुरूप एक झंडे के नीचे आकर जनहित का कार्य संयुक्त रूप से पूरा किया जा सके।वृद्ध आश्रम में रहने वाले बुजुर्ग महिला पुरुषों को भोजन करवाने के उपरांत श्री श्री 1008 बाबा मठारदेव तलहटी मंदिर स्थल पर सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे। तलहटी मंदिर पर क्षेत्र के प्रथम नागरिक किशोर बरदे ने उपस्थित कार्यकर्ता पदाधिकारी को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व ने पहली बार बैतूल जिले से हम सभी के नेता हेमंत खंडेलवाल जी को प्रदेश नेतृत्व का दायित्व दिया है,और आज हमारे नेता हेमंत खंडेलवाल जी का जन्म दिवस मंडल सारणी में हम सभी कार्यकर्ता एक साथ मिलकर सेवा दिवस के रूप में मना रहे हैं। मैं बाबा मठारदेव एवम् भगवान श्री गणेश से प्रार्थना करता हूं कि हमारे प्रदेशध्यक्ष दीर्घायु हो।
इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भीम बहादुर थापा,शिबू सिंह,योगेश बर्डे,प्रवीण सोनी, ददन सिंह राणा,मुकेश यादव, प्रकाश डेहरिया,सुनील मोखड़े,विनय मदने,रमेश पवार,राजू साहू,प्रमोद सिंह नोखेलाल,मिंटू राय,दिनेश यादव,राकेश बारंगे,विजू वानखेड़े,लक्ष्मीकांत पांडे, नीरज नागले,महेंद्र सराटकर, राजू देशमुख,अजय साकरे,गुमान सिंह,राजा राठौर,धर्मेंद्र राय,विलास चौधरी,मनोहर विश्वकर्मा, राजकुमार नागले,राहुल कापसे,अमर राणा,विन्नी राय निलेश राजवंशी,नारायण खातरकर ,पी. जे शर्मा,जी पी सिंह,जगदीश आहूजा, नागेंद्र निगम समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क के दोनों तरफ लटकते पेड़ बड़ी दुर्घटना को दे रहे निमंत्रण

जान को जोखिम में डालकर बोरी से बैण्लून गांव की करते हैं लोग यात्रा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

आमला से सारनी की दूरी 35 किलोमीटर है यह दूरी बोरी से बैण्लून मार्ग होते हुए सारनी आते लेकिन वर्तमान समय में इस मार्ग के दोनों तरफ कई ऐसे पेड़ है जो एकदम सड़क पर गिरने की स्थिति पर पहुंच गए हैं यदि यह पेड़ आवागमन करने वाले यात्रियों के टू व्हीलर पर गिरते हैं तो बड़े जान माल की हानि होने से नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में लोक निर्माण के अलावा वन विभाग के आला अधिकारियों को बड़ी दुर्घटना होने से रोकना चाहिए। बारिश के मौसम में यह पेड़ों के गिरने की संभावना ज्यादा बनी रहती है कई बार मुख्य मार्ग के किनारे के पेड़ों के गिरने से दो पहिया वाहन चालकों को समय से पहले काल के गाल में सामना पड़ा है ऐसी स्थिति को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र के वह लोग जो प्रतिदिन सारनी बैण्लून मार्ग से होते हुए बोरी आमला आवागमन करते हैं उनके माध्यम से आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे को भी लिखित शिकायत देकर गिरने वाले पेड़ों को काटने की मांग की गई है,ताकि भविष्य में इस मार्ग से आवागमन करने वाले दो पहिया वाहन चालकों के साथ किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना घटित ना हो ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का कहना है की बोरी से 3 किलोमीटर की दूरी पर 700 वर्ष पुराने मां रेणुका माता जी का मंदिर है और इसके दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में इस मार्ग का उपयोग करते हैं।

मोक्षधाम में बारिश में शव जलाने में होती है परेशानी : कुनबी समाज

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज ने मोक्ष धाम की दयनीय स्थिति को लेकर बुधवार को नगरपालिका सीएमओ सीके मेश्राम को ज्ञापन दिया। कुनबी समाज के अध्यक्ष विजय पड़लक ने कहा मोक्षधाम स्थल जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। बारिश के दिनों में अंतिम संस्कार करने के लिए परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं। उन्होंने आरोप लगाया नपा नगर में सौंदर्यीकरण के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। लेकिन सारनी, पाथाखेड़ा, शोभापुर सभी स्थानों के मोक्ष धाम स्थल पर अव्यवस्था देखी जा सकती है। यहां पर सफाई नहीं की जाती हैं, बिजली की व्यवस्था भी नहीं हैं। अंतिम यात्रा में शामिल होने वाले लोगों के लिए बैठने और पीने के पानी के लिए भी परेशान होना पड़ता है। कुनबी समाज के लोगों ने मांग की मोक्ष धाम पर एक स्टोर रूम का निर्माण किया जाना चाहिए और लकड़ी की व्यवस्था निर्धारित दर पर दी जानी चाहिए। समाज के लोगों ने नपा को चेतावनी दी जल्द ही मोक्ष धाम स्थल पर सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती हैं, तो जोरदार धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर राजू देशमुख, पंजाबराव भास्कर बंटी कवड़कर, यादव राव धोटे, मनीष धोटे, संजय झरबड़े समेत काफी संख्या में कल भी समाज के लोग उपस्थित रहे।

बैतूल बाजार में बारिश के बीच हुआ गणेश विसर्जन, 500 सालों से चली आ रही परंपरा

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल बाजार में गणेश उत्सव का समापन गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ हुआ। मंगलवार रात तेज बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था अडिग रही। 500 साल पुरानी परंपरा के अनुसार दतकंधों के भजनों और जयघोषों के बीच विसर्जन संपन्न हुआ।
श्रद्धालु स्थापना स्थलों से प्रतिमाओं को डोलों में लेकर नगर भ्रमण पर निकले। परंपरागत भजनों के साथ यात्रा आगे बढ़ी। बारिश के दौरान भक्तों ने अस्थायी टेंट का प्रबंध कर यात्रा को जारी रखा। सभी श्रद्धालु सापना नदी के गणेश घाट तक पहुंचे। बाजार चौक पर डोलों और श्रद्धालुओं का विशेष स्वागत किया गया। चार डोलों में विराजमान गणेश प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र बनीं। घाट पर विधि-विधान से पूजन के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। भारी वर्षा के बावजूद देर रात तक घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ जमी रही। “अगले बरस तू जल्दी आ” के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। राठौर परिवार की ओर से भक्तों को प्रसाद और स्वल्पाहार वितरित किया गया।
श्रद्धालुओं ने इस परंपरा को नगर की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। बुजुर्गों के मार्गदर्शन में नई पीढ़ी भी इस 500 वर्ष पुरानी धरोहर को आगे बढ़ा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949